PHM
Prime Heritage Morning
News

प्राइम हेरिटेज मॉर्निंग

PRIME HERITAGE MORNING

हिन्दी मासिक

गाजियाबाद, मुरादनगर, मोदीनगर, मेरठ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, बुलन्दशहर, अनूपशहर, आगरा, लखनऊ से एक साथ प्रसारित

सम्पादक-
ललित कुमार शर्मा

जुलाई 2025 (गाजियाबाद) | TITLE CODE- UPHIN49692 | वर्ष-5, अंक-11, पृष्ठ-8, मूल्य : 20 रूपये

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: सुप्रीम कोर्ट में पहली दफा एससी-एसटी आरक्षण नीति लागू

* कर्मचारियों को पदोन्नति और सीधी भर्ती में मिलेगा आरक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए कहा है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए कर्मचारियों की सीधी भर्ती और पदोन्नति में आरक्षण की औपचारिक नीति लागू की जाती है। यह नीति 23 जून 2025 से प्रभावी मानी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के आंतरिक प्रशासन में सामाजिक समावेश की दिशा में इस फैसले को एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने सामाजिक न्याय और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए अपने गैर-न्यायिक पदों पर प्रत्यक्ष भर्ती और पदोन्नति में आरक्षण नीति लागू कर दी है। अभी तक के इतिहास में यह पहली दफा है जबकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने यहां ऐसी नीति को अपनाया है, जो अब तक कई हाईकोर्ट और अन्य सरकारी संस्थानों में लागू थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यह आरक्षण नीति 23 जून से प्रभावी मानी जाएगी। 24 जून, 2025 को सभी कर्मचारियों को जारी सर्कुलर में सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 23 जून 2025 से यह नीति प्रभाव में आ गई है। इसके तहत 15 फीसदी पद एससी वर्ग के लिए आरक्षित होंगे। इसी प्रकार 7.5 फीसदी पद एसटी वर्ग के लिए आरक्षित होंगे। यह आरक्षण सिर्फ प्रशासनिक और सहायक पदों पर लागू होगा, जजों की नियुक्तियों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट के जिन पदों पर यह आरक्षण नीति लागू होगी उनमें रजिस्ट्रार का पद से लेकर सीनियर पर्सनल असिस्टेंट, असिस्टेंट लाइब्रेरियन, जूनियर कोर्ट असिस्टेंट, जूनियर कोर्ट अटेंडेंट और चैंबर अटेंडेंट के साथ ही जूनियर प्रोग्रामर सहित अन्य तकनीकी व सहायक पद शामिल किए गए हैं।

सीजेआई गवई की अगुवाई में हुआ ऐतिहासिक फैसला

सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई ने इस ऐतिहासिक कदम को अंतिम रूप देने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, कि अगर अन्य सरकारी संस्थानों और हाईकोर्ट में यह आरक्षण नीति पहले से लागू है, तो सुप्रीम कोर्ट इससे अछूता क्यों रहे? जब हमारे फैसले वर्षों से सामाजिक न्याय और आरक्षण का समर्थन करते आ रहे हैं, तो अब समय है कि हम अपनी प्रशासनिक व्यवस्था में भी इसे लागू करें।

आरक्षण रोस्टर सुप्रीम कोर्ट पोर्टल पर अपलोड

सर्कुलर के अनुसार, मॉडल आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर को सुप्रीम कोर्ट के आंतरिक डिजिटल पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है, ताकि सभी कर्मचारी इसे देख सकें और पारदर्शिता बनी रहे। कर्मचारियों से अनुरोध किया गया है कि यदि किसी प्रकार की त्रुटि दिखाई दे, तो वे तत्काल रजिस्ट्रार कार्यालय को सूचित करें।

भाजपा ने 4 राज्य हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष को चुना

-हेमंत खंडेलवाल मप्र भाजपा के नए अध्यक्ष

-राजीव बिंदल हिमाचल, महेंद्र भट्ट को उत्तराखंड की कमान, तेलंगाना में विरोध के बाद भी रामचंद्र राव प्रदेशाध्यक्ष बने

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। भाजपा ने मंगलवार को 9 राज्यों में से 4 राज्य हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष को चुन लिया है। इसके अलावा, मप्र में हेमंत विजय खंडेलवाल ने भी निर्विरोध नामांकन भरा। बुधवार को उनकी जीत का ऐलान किया जाएगा। हिमाचल में राजीव बिंदल को को तीसरी बार कमान दी गई है। वहीं, महेंद्र भट्ट दूसरी बार उत्तराखंड अध्यक्ष बने। आंध्रप्रदेश में पीवीएन माधव और तेलंगाना में रामचंद्र राव को चुना गया है। महाराष्ट्र में रविंद्र चव्हाण के नाम का ऐलान होना बाकी है। तेलंगाना में रामचंद्र राव को प्रत्याशी बनाए जाने पर विवाद हुआ था। गोशामहल से विधायक टी राजा ने विरोध करते हुए सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो जाएगी। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50 प्रतिशत राज्यों में चुनाव होने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं। इनमें से अब तक 14 राज्यों में अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। मंगलवार को 19 राज्यों के अध्यक्ष चुन लिए जाएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जुलाई में चुने जा सकते हैं।

देश में कहीं पर भी दर्ज हो एफआईआर, 3 साल में मिलकर रहेगा न्याय...

नए अपराधिक कानूनों पर बोले अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि तीन नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम आने वाले दिनों में आपराधिक न्याय प्रणाली को बदल देंगे। आज इन तीन नए आपराधिक कानूनों के एक वर्ष पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा कि इस प्रणाली के पूर्ण कार्यान्वयन में अधिकतम तीन वर्ष लगेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली के सामने सबसे बड़ी समस्या न्याय प्राप्त करने के लिए समयसीमा का अभाव है।

शाह ने कहा कि मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इसके बाद देश के किसी भी कोने में एफआईआर दर्ज करें, आपको 3 साल के भीतर न्याय मिलेगा, यह सुनिश्चित किया जाएगा। बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए ने क्रमश: औपनिवेशिक युग की भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली। नए कानून 1 जुलाई, 2024 को लागू हुए। गृह मंत्री ने तीनों कानूनों को स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा सुधार करार दिया और कहा कि प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी अपराधी अपराध करने के बाद सजा से बच नहीं पाएगा।

उन्होंने कहा कि न्याय त्रिस्तरीय रूप से तय समय के भीतर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'नरेंद्र मोदी सरकार, आपकी चुनी हुई सरकार ने आपके लिए कानून बनाया है और यह आपके सभी अधिकारों की रक्षा करेगी।' 1 जुलाई, 2024 से, सभी नई एफआईआर बीएनएसएस के तहत दर्ज की गईं। हालांकि, पहले दर्ज किए गए मामलों को उनके अंतिम निपटारे तक पुराने कानूनों के तहत ही चलाया जाता रहा। नए कानून आधुनिक न्याय प्रणाली लेकर आए, जिसमें जीरो एफआईआर, ऑनलाइन पंजीकरण जैसे प्रावधान शामिल हैं।

दलाई लामा 90वां जन्मदिन: तिब्बत नहीं भारत से होंगे नए दलाई लामा? चीन की बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दूसरे देशों की जमीन पर चीन के कब्जा करने की आदत से पूरी दुनिया परेशान है। जब मन किया मैप निकाला और दुनिया के माथे पर थोप दिया ये चीन की फितरत है। वो ऐसी हरकतें अपनाकर अब पड़ोसियों को बेचैनी बढ़ाता है। ऐसे में भारत समेत बाकी देशों को भी एकजुट होकर चीन को इसका जवाब देना चाहिए। केवल जवाब ही नहीं बल्कि पहले से ही ऐसी जमीन तैयार करनी चाहिए जिससे चीन घिर जाए। इसके लिए तिब्बत से बेहतर और कोई उपाय हो नहीं सकता। तिब्बत के ऊपर चीन की दावेदारी करने का मन। अब खुद तिब्बत ने बता दिया है। ऐलान तो बस ऐलान का है। नये ऐलान जिस अगले दलाई लामा का जिक्र है। इसका डंका ड्रैगन के माथे पर चिंता लाने के लिए काफी है। चीन को डर है कि तिब्बत के अगले दलाई लामा के नाम का ऐलान कहां हो सकता है। इससे भी बड़ा डर ये कि कहीं इस नाम की घोषणा चीन की मर्जी से बाहर से न हो जाए। जिसको लेकर चीन कई बार चेतावनी दे चुका है। दलाई लामा स्पष्ट कर चुके हैं कि उनका उत्तराधिकारी चीन के बाहर पैदा होगा।

आरसीबी ही जिम्मेदार, पुलिस नहीं है भगवान

- बेंगलुरु भगदड़ पर आ गई ट्रिब्यूनल की रिपोर्ट
- कहा-पुलिस के पास अलादीन का चिराग नहीं

बेंगलुरु (एजेंसी)। चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ केस में ट्रिब्यूनल की रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जिम्मेदार ठहराया गया है। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें एक 14 वर्षीय बच्ची भी शामिल थी। आदेश में साफ तौर पर कहा गया कि आरसीबी ने पुलिस से कोई पूर्व अनुमति नहीं ली थी। अचानक सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। पुलिसकर्मी भी इंसान है, उनके पास अलादीन का चिराग थोड़े है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि आरसीबी ने सोशल मीडिया पर बिना पुलिस की अनुमति के विजय जुलूस का आमंत्रण पोस्ट कर दिया, जिससे भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पुलिस के पास सुरक्षा इंतजाम के लिए पर्याप्त समय नहीं बचा। आदेश में साफ तौर पर लिखा गया, आरसीबी ने पुलिस से कोई पूर्व अनुमति नहीं ली। अचानक सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया और इसके चलते भीड़ जमा हो गई। महज 12 घंटे में पुलिस से पूरी व्यवस्था की उम्मीद नहीं की जा सकती। ट्रिब्यूनल ने यह भी कहा, पुलिसकर्मी भी इंसान हैं, न तो भगवान और न ही जादूगर। उनके पास अलादीन का चिराग नहीं है, जिससे वे एक झटके में सारी व्यवस्थाएं कर दें। इसी मामले में निलंबित किए गए आईपीएस अधिकारी विकास कुमार को बड़ी राहत मिली है। ट्रिब्यूनल ने उनके निलंबन को रद्द करते हुए कहा कि उनकी निलंबन अवधि को सेवा का हिस्सा माना जाए। विकास कुमार उस वक्त बेंगलुरु के वेस्ट जोन के एडीशनल कमिश्नर और चिन्नास्वामी स्टेडियम के प्रभारी थे। ट्रिब्यूनल ने कर्नाटक सरकार को एक सुझाव भी दिया है।

गोली और बम रोकने से रहे, आतंकियों से डरते नहीं

- अमरनाथ तीर्थयात्रियों का दम चुन लिया पहलगाम मार्ग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भयावह आतंकवादी हमले का असर इस साल अमरनाथ यात्रा पर पड़ने की आशंका थी। हालांकि, इसे दरकिनार करते हुए देश के विभिन्न भागों से सैकड़ों तीर्थयात्री पहले दिन पंजीकरण केंद्र पर कतारों में खड़े दिखाई दिए। 11वीं बार बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जा रहे मुंबई निवासी दिवाकर कदम ने कहा, गोली और बम हमें बाबा बर्फानी के दर्शन करने से नहीं रोक सकते। जम्मू रेलवे स्टेशन के निकट सरस्वती धाम पंजीकरण केंद्र पर रजिस्ट्रेशन के पहले दिन लोगों की भीड़ देखी गई। वहां उपस्थित कई लोगों ने बढ़ती भीड़ को पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों को करारा जवाब बताया। आतंकियों ने 22 अप्रैल को किए गए हमले में विशेष धर्म के लोगों की पहचान करके पहलगाम में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी।

कृषि उत्पादों पर अमरीका के आगे नहीं झुकेगा भारत

- राष्ट्रपति ट्रंप को आईना दिखाने की तैयारी, 8 दिन बचे

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत फिलहाल गतिरोध की स्थिति में पहुंच गई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा निर्धारित 8 जुलाई की समय सीमा भी तेजी से नजदीक आ रही है। यदि दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता नहीं हो पाता है तो इस तारीख के बाद अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर 26 फीसदी जवाबी टैरिफ लागू करने की संभावना है। भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय दल वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों के साथ चर्चा के लिए रुका हुआ है, लेकिन अभी तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। हालांकि, ट्रंप यह स्पष्ट कर चुके हैं कि टैरिफ सस्पेंशन को और आगे बढ़ाने की संभावना बेहद कम है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका चाहता है कि भारत मक्का, सोयाबीन, डेयरी उत्पाद, सेब, और अन्य फलों एवं मेवों पर शुल्क कम करे।

सोनम के बैग में मिले दो मंगलसूत्र एक राजा का है तो दूसरा किसका!

- बैग मिलने के बाद मिस्ट्री सुलझाने में जुट गई है मेघालय पुलिस

इंदौर (एजेंसी)। चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की जांच में शिलांग पुलिस नए सबूतों के आधार पर आगे बढ़ रही है। इस मामले में राजा के भाई विपिन रघुवंशी से इंदौर क्राइम ब्रांच ने पूछताछ की। पूछताछ का मकसद सोनम रघुवंशी के गहनों की जानकारी और रतलाम से मिले गहनों की पहचान करना था। विपिन ने बताया कि सोनम को शादी में करीब 15 लाख रुपये के गहने मिले थे। साथ ही, राजा जब घर से निकले थे तो उन्होंने सोने की चेन पहनी हुई थी। पुलिस इस हत्याकांड की पूरी साजिश का खुलासा करने की कोशिश कर रही है। अब तक इस मामले में आठ लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। शिलांग पुलिस ने हाल ही में रतलाम में प्रॉपर्टी डीलर सिलोम जेम्स के ससुराल से कुछ गहने, लैपटॉप और एक पैन ड्राइव बरामद किए थे। पुलिस अब इन गहनों का मिलान राजा और सोनम के गहनों से कर रही है। इसके लिए विपिन की मदद ली जा रही है। विपिन ने पूछताछ में बताया कि उन्हें सोनम के पास लैपटॉप होने की जानकारी नहीं थी। पुलिस ने सोनम के पास से दो मंगलसूत्र भी जब्त किए हैं। माना जा रहा है कि एक मंगलसूत्र राजा ने शादी के समय सोनम को पहनाया था। वहीं, दूसरा मंगलसूत्र शायद हत्याकांड के बाद सोनम के प्रेमी राज कुशवाहा ने उसे दिया था। विपिन ने पत्रकारों से बात करते हुए कुछ खुलासे किए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनसे गहनों की तस्वीरें और जानकारी मांगी थी, जो उन्होंने दे दी है। विपिन के अनुसार, गहनों में कई आभूषण शामिल थे।

गाजियाबाद में खुलेआम बाल श्रम: 'कठपुतली' बन चुकी है सरकार?

(पीन्द्रपाल संवाददाता)

गाजियाबाद। जहां एक ओर सरकारें बच्चों को शिक्षित और सुरक्षित भविष्य देने के लिए कड़े कानून बना रही हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इन कानूनों की खुलेआम अवहेलना कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है अ-475, सेक्टर-9, न्यू विजय नगर स्थित शिव कन्फेक्शनरी का, जिसके मालिक प्रवीन गुप्ता पर नाबालिग बच्चों से मजदूरी करवाने का गंभीर आरोप है। पहले भी हुई कार्रवाई-फिर भी नहीं सुधरे: कुछ दिन पहले बाल कल्याण विभाग की टीम ने इस दुकान पर छापा मारकर नाबालिग श्रमिकों को मुक्त कराया और मामले को जिलाधिकारी के संज्ञान में लाकर प्रवीन गुप्ता पर जुमार्ना लगाया गया। लेकिन हैरानी की बात ये है कि अगले ही दिन से फिर वही बच्चे उसी दुकान में काम करते पाए गए। 27 जून को दोबारा पकड़े गए नाबालिग-27 जून 2025 को बाल कल्याण विभाग की टीम ने एक बार फिर छापा मारा, और दोबारा नाबालिग बच्चों को काम करते पाया। इस पर प्रवीन गुप्ता का दोबारा चालान किया गया। जब टीम ने उससे पूछताछ की, तो उसने बेखौफ होकर जवाब दिया-

क्या कर लोगे? ज्यादा से ज्यादा जुमार्ना लगेगा, भर देंगे!

कानून की खिल्ली, प्रशासन पर सवाल: प्रवीन गुप्ता जैसे लोगों की दबंगई इस बात की ओर इशारा करती है कि क्या प्रशासन वाकई सख्त है? या फिर ऐसे लोगों के आगे कानून केवल जुमार्ने तक सीमित रह गया है?

अब क्या होनी चाहिए कार्रवाई?

-दुकान को तुरंत सील किया जाए

-FIR दर्ज हो

-IPC और जेजे एक्ट के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई हो

-बाल श्रम दोहराने पर गैरजमानती धाराएं लगें

बचपन बिक रहा है-और हम चुप हैं! अब वक्त है कि गाजियाबाद प्रशासन ऐसे मामलों पर सख्ती से कार्रवाई करे, ताकि मासूम बचपन फिर से किताबों और खेलों की दुनिया में लौट सकें।

भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है

प्रहलाद सबनानी

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है।

कुछ दिनों पूर्व भारत में दो विशेष घटनाएं हुईं, परंतु देश के मीडिया में उनका पर्याप्त वर्णन होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अतः कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है। जैसा कि दावा किया जा रहा है, यदि यह दावा सच्चाई के धरातल पर खरा उतरता है तो आने वाले समय में भारत का विश्व में पुनः कुवैत की चिड़िया बनना लगभग तय है। भारत आज पूरे विश्व में कच्चे तेल का चीन एवं अमेरिका के बाद सबसे बड़ा आयातक देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। कच्चे तेल का उत्पादन यदि भारत में ही होने लगता है तो न केवल इसके आयात पर होने वाले भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के खर्च को बचाया जा सकेगा बल्कि पेट्रोल एवं डीजल के निर्यात से विदेशी मुद्रा का भारी मात्रा में अर्जन भी किया जा सकेगा। जिसके कारण, भारत में विदेशी मुद्रा के भंडार में अतुलनीय बचत एवं संचय होता हुआ दिखाई देगा और इस प्रकार भारत विश्व में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा संग्राहक देश बन सकता है।

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है।

भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं गैस के भंडार पाए गए हैं। इस भंडार के बाद गुयाना कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है, जबकि अभी गुयाना का विश्व में 17वां स्थान है।

वर्ष 1947 में प्राप्त हुई राजनैतिक स्वतंत्रता के बाद के लगभग 70 वर्षों तक भारत को समुद्री सीमा को खंगालने का गम्भीर प्रयास किया ही नहीं गया था। हाल ही में भारत सरकार द्वारा इस संदर्भ में किए गए प्रयास सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के भारी मात्रा में जो भंडार मिले हैं उनका अन्वेषण का कार्य समाप्त हो चुका है एवं अब ड्रिलिंग का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। ड्रिलिंग का कार्य समाप्त होने के बाद कच्चे तेल एवं गैस के भंडारण का सही आंकलन पूर्ण कर लिया जाएगा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में आधारभूत संरचना का विकास भी बहुत तेज गति से किया जा रहा है। इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र के समुद्रीय इलाकों से भी भारी मात्रा में कच्चा तेल निकाला जा रहा है तथा भारत का अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह भी इंडोनेशिया से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके कारण यह आंकलन किया जा रहा है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्रीय क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के अपार भंडार मौजूद हो सकते हैं।

हर्ष का विषय यह भी है कि इस क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के साथ साथ अन्य दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल्स/मेटल) के भारी मात्रा में मिलने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है। भारी मात्रा में मिलने जा रहे कच्चे तेल के चलते भारत अपनी परिष्करण क्षमता को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। चूंकि चीन ने कुछ दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों का भारत को निर्यात करना बंद कर दिया है अतः भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में इन पदार्थों का मिलना भारत के लिए बहुत बड़ी खुशखबर है। पूर्व में भी भारत में कच्चे तेल एवं गैस के भंडार का पता चलता था, जैसे बॉम्बे हाई, काकीनाडा, बलिया एवं समस्तिपुर, आदि। इन समस्त स्थानों पर कच्चे तेल को निकालने के संबंध में आवश्यक कार्य प्रारम्भ हो चुका है। दरअसल, इस कार्य में पूंजीगत खर्च बहुत अधिक मात्रा में होता है। जापान, रूस एवं अमेरिका से तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए इन देशों की बड़ी कम्पनियों के साथ करार करने के प्रयास भी भारत सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। भारत का समुद्रीय क्षेत्र 3 लाख किलोमीटर का है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के समुद्रीय इलाके में भी खोज जारी है एवं इस क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के भंडार मिलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अंडमान एवं निकोबार क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात आगामी लगभग 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल के आयात की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

द्वितीय शुभ समाचार यह प्राप्त हुआ है कि भारत के कर्नाटक राज्य में कोलार क्षेत्र में स्थित अपनी सोने की खदानों में भारत एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के सम्बंध में विचार कर रहा है। कोलार गोल्ड फील्ड (केजीएफ) को वर्ष 2001 में खनन की दृष्टि से बंद कर दिया गया था। परंतु, अब 25 वर्ष पश्चात स्वर्ण की इन खदानों में खनन की प्रक्रिया को पुनः प्रारम्भ किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस संदर्भ में कर्नाटक सरकार ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। आज पूरे विश्व में सोने की कीमतें आसमान छूते हुए दिखाई दे रही हैं और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर इन देशों का विश्वास कुछ कम होता जा रहा है। बहुत सम्भव है कि आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर के बाद एक बार पुनः स्वर्ण मुद्राएं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले व्यापार के भुगतान का माध्यम बनें। ऐसे समय में भारत के कोलार क्षेत्र में स्थित स्वर्ण की खदानों में एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करना एक अति महत्वपूर्ण निर्णय कहा जा सकता है। कोलार स्थित स्वर्ण की इन खदानों में 750 किलोग्राम स्वर्ण की प्राप्ति की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। प्राचीन काल में कोलार गोल्ड फील्ड को गोल्डन सिटी आफ इंडिया कहा जाता था। प्राचीन काल में ही भारत को 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास 25,000 से 26,000 टन स्वर्ण का भंडार है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत की महिलाओं के पास स्वर्ण का जितना भंडार है लगभग उतना ही भंडार पूरे विश्व में अन्य देशों के पास है। अर्थात, पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण का आधा भाग भारतीय महिलाओं के पास आज भी उपलब्ध है। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में स्थापित अपनी सत्ता के खंडकाल के दौरान लगभग 900 टन स्वर्ण, कोलार की खदानों से निकालकर, ब्रिटेन लेकर जाया गया था। भारत की केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, के पास आज 880 टन स्वर्ण के भंडार हैं, जो कि भारत के 69,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा है। हाल ही के समय में विदेशी निवेशकों का भारत पर विश्वास बढ़ा है अतः भारत का स्वर्णिम काल पुनः प्रारम्भ हो रहा है। विश्व के विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास आज 36,000 टन स्वर्ण का भंडार है, जबकि इनमें से कई देशों के केंद्रीय बैंक अभी भी स्वर्ण की खरीदी करते जा रहे हैं। स्वर्ण भंडार की दृष्टि से भारत का आज विश्व में छठा स्थान है।

संपादकीय

बेवजह का विवाद

लोकतंत्र में संविधान किसी देश की आत्मा का दस्तावेज होता है। इसमें दर्ज एक-एक शब्द सरकार के लिए अपनी जनता के साथ व्यवहार के तौर-तरीके तय करने वाला होता है। भारत में संविधान को अत्यंत पवित्र माना जाता है, और इसकी प्रस्तावना तक में कोई शाब्दिक जोड़-घटाव पर भी विवाद हो सकता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मानें तो संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया। उपराष्ट्रपति ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में इस कार्य को संविधान निर्माताओं की बुद्धिमत्ता के साथ विश्वासघात और नासूर की संज्ञा दी। ज्ञात हो कि 1976 में कांग्रेस सरकार ने प्रस्तावना में 42वें संविधान (संशोधन) के जरिए 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द जोड़े थे। उपराष्ट्रपति के अनुसार जोड़े गए शब्द उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं। यह सनातन की भावना का अपमान है। उपराष्ट्रपति के अनुसार, भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। भारत में यह काम तब किया गया जब विपक्ष के प्रमुख नेता जेल में थे और इसका कोई औचित्य नहीं था। सबसे अहम बात जो उन्होंने कही वह यह कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। धनखड़ की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता दत्तात्रेय होसबोले ने इसी हफ्ते संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा का आह्वान किया है। आरएसएस का कहना है कि ये शब्द कभी भी अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे। होसबोले के बयान से राजनीतिक विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। संघ का तर्क है कि होसबोले का मकसद संविधान की मूल भावना को बहाल करने के बारे में है। यहां सवाल उठता है कि 42वें संविधान संशोधन के लगभग 49 साल बाद इस बारे में विवाद का क्या मतलब है? संविधान की प्रस्तावना इसकी मूल भावना को कतई कमजोर नहीं कर सकती। देखा जाए तो सरकार जनता की भलाई के रास्ते पर ही तो चलती है। कोई राजनीतिक विचारधारा इन शब्दों से सहमत हो या न हो लेकिन काम तो इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर ही करती है। वर्तमान भाजपा गठबंधन सरकार की नीति भी तो सबकी भलाई और उन्नति ही है। यह वक्त विवाद खड़ा करने नहीं अपितु संविधान पर ईमानदारी से अमल करने का है। जिन शब्दों के जोड़ने से आज तक कुछ नहीं बिगड़ा, वो हटाए जाने की सूरत में काफी कुछ बिगाड़ सकते हैं।

चिंतन-मनन

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जुन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जुन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में नम्रता यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस के हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै।

वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अहमन्यता में वह आस-पास के लोगों को भी संक्रमित कर देता है। इसी आग में विकास झुलसकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हो या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही मार्ग दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जुन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु।

रोगी के लिये स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर्स

ललित गर्ग

स्वस्थ जीवन हर किसी की सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, 'सेहत सबसे बड़ी पूंजी' है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर्स डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिये मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरुआत की गई थी। वह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं।

2025 की थीम है 'मास्क के पीछे: देखभाल करने वालों की देखभाल' उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टरों द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आपा नहीं खोता-वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो। वास्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन करते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है। डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है। इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है। डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं। जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुंचे। इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा व्यवहार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्ज्वलित किये हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता।

हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजीशियन या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिये आपको ऑन्कोलॉजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं तो उसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेगनेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट, यूटीआई, पीरियड्स, की समस्या होने पर तो गायनेकोलॉजिस्ट की मदद लें। दिमागी बीमारी के लिये न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाने की सलाह दी जाती है। कई बार सही डॉक्टर से समय पर इलाज न मिलने की वजह से भी बीमारी और बढ़ जाती है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं मानवीयता जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने एवं उनको स्वस्थ बनाने के लिए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं वरदान हैं। डॉक्टर्स भगवान का रूप होते हैं, वे ही इंसान के जन्म के पहले सांसें बनते हैं और उनमें करुणा एवं स्वस्थता का बीज बोते हैं। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ हंसते हुए दे देते हैं, चाहे उनका अपना पारिवारिक सुख हो, कैरियर हो, जीवन की खुशियां हो या सपने हों, सबकुछ झोंक देते हैं।

डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है। वे आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करते हैं और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। डॉक्टर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे वे अपनी बीमारियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनका प्रबंधन कर सकते हैं। डॉक्टर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सहायता और उपचार प्रदान करते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य अभियानों और कार्यक्रमों में भाग लेकर समुदायों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं और समाज के समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, वे डॉक्टर बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं। इसलिए कि वे सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करते हैं, ऐसी मानवीय सेवाएं देने वाले इन डॉक्टर्स रूपी अद्भुत फरिश्तों की सम्मान, कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही डॉक्टर्स की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेंगी।

साइबर अपराध : डेटा लीक के खतरे अनंत

कुमार समीर

समय के साथ साइबर क्राइम करने वालों ने अपने तौर-तरीकों में भी बदलाव किया है। कहा तो यहां तक जाने लगा है कि इससे कोई नहीं बच सकता। चाहे किसी ने चूक की हो या नहीं। इसकी पहुंच का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इन लोगों ने साइबर क्राइम पुलिस तक को नहीं छोड़ा है। इन लोगों का दुस्साहस देखें कि गुरुग्राम साइबर क्राइम पुलिस की ईमेल आईडी हैक कर बैंक से फ्रीज रकम को अनफ्रीज करने तक की कोशिश की गई। हालांकि इस धोखाधड़ी की योजना तब फेल हो गई जब ईमेल में विषय (सब्जेक्ट) वाला स्थान खाली मिला जिससे बैंक को शक हुआ और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। गनीमत रही कि एक छोटी सी चूक के कारण अपराधी पकड़ में आ गया लेकिन ऐसे कई मामले हैं, जिनमें साइबर क्राइम करने वाले सफल रहे हैं। ताजा मामला देश की राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा का है। यहां फर्जी ईमेल आईडी के जरिए एक अस्पताल के कर्मचारी ने दिल्ली नगर निगम से कैशलेस इलाज के 74.90 लाख रुपये अस्पताल के अकाउंट में डलवाने की बजाय अपने अकाउंट में डलवा लिए। मामला साइबर क्राइम पुलिस के पास है, और वह इसकी जांच कर रही है। ये तो मामले तो बानगी है, लेकिन अगर करोड़ों अकाउंट्स के पासवर्ड चोरी कर लिया जाए तो फिर क्या स्थिति होगी, इसका अंदाजा लगाने भर से सिहरन पैदा होने लगेगी कि कहीं हमारे अकाउंट्स का पासवर्ड भी चोरी न हो गया हो। जी हां, इस तरह का एक बड़े डेटा लीक का नया मामला सामने आया है। इसमें लगभग 1600 करोड़ पासवर्ड के लीक होने की बात है, और इसने इसे इतिहास के सबसे बड़े डेटा लीक में से एक बना दिया है। साइबर न्यूज और फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस लीक की वजह से लाखों यूजर्स का सेंसेटिव डेटा अब रिस्क पर है। इन पासवर्ड्स की मदद से साइबर अपराधी यूजर्स की निजी जानकारी, फोटो, वीडियो और दूसरी जानकारी चुरा सकते हैं यानी फिशिंग स्कैम, डेटा चोरी और अकाउंट्स हैकिंग का खतरा हो सकता है। इस डेटा की मदद से साइबर अपराध के जोखिम कई गुना बढ़ सकते हैं। रिसर्चर्स ने इस डेटाबेस को खंगाला है, और इसके 30 डेटासेट की जांच की है। उन्हें करीब 350 करोड़ रिकार्ड मिले हैं, जिनमें कॉर्पोरेट और डवलपर प्लेटफार्म, वीपीएन लॉगिन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के यूजर्स के क्रेडेंशियल्स शामिल हैं। यह डेटा 2025 की शुरुआत से लेकर आज तक का है। रिसर्चर्स का दावा है कि ऑनलाइन लीक हुआ यह डेटा साधारण नहीं है। सिक्योरिटी रिसर्चर्स का भी कहना है कि यह इंटरनेट पर पड़ा पुराना डेटा नहीं है। ज्यादातर डेटा नया है जिन्हें मैलवेयर के जरिए इकट्ठा किया गया है। यह मैलवेयर प्रोग्राम लोगों का डेटा चुपके से चुराता है। चोरी के इस डेटा में यूजरनेम और पासवर्ड होते हैं, जिन्हें मैलवेयर यूजर्स के फोन से चुराकर हैकर को भेजता है। हैकर्स इस डेटा का सीधे इस्तेमाल कर सकते हैं, या फिर इन्हें डार्क वेब फोरम पर बेच सकते हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो लीक हुए डेटा में यूजर्स की डिटेल्स इनफार्मेशन हैं, जो अलग-अलग सर्विसेस के लिए हैं। इनमें यूजर्स के ईमेल से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, गूगल और टेलीग्राम तक की डिटेल्स हैं। यहां तक कि इनमें एप डवलपर्स की अकाउंट्स डिटेल्स और कुछ सरकारी पोर्टल्स की भी जानकारी है। ज्यादातर जानकारी को एक फॉर्मेट में आर्गेनाइज किया गया है, जिसमें वेबसाइट लिंक, इसके बाद यूजरनेम और पासवर्ड लिखा है। इसकी वजह से साइबर अटैकर्स के लिए इनका इस्तेमाल आसान हो जाता है। एक्सपर्ट्स इस लीक को मॉडर्न साइबर क्राइम का ब्लूप्रिंट बता रहे हैं। इसे देखते हुए ही गूगल ने अपने यूजर्स को सलाह तक दे डाली है। गूगल ने अपने यूजर्स को 2-फैक्टर ऑथेंटिकेशन एक्टिव करने की सलाह दी है। साथ ही, उसने अपने यूजर्स को पासवर्ड्स अपडेट करने को भी कहा है। गूगल का यूजर्स को यह भी कहना है कि उन्हें अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स को बेहतर सुरक्षा के लिए, फोन का यूज करना चाहिए। पासकी से लॉगइन के लिए बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन की जरूरत होती है, जिससे यह डबल सेफ्टी प्रदान करता है यानी आपको तुरंत ही अपना पासवर्ड बदल देना चाहिए। इसके अलावा अपने अकाउंट्स के लिए टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन भी ऑन कर लें और पासवर्ड मैनेजर का इस्तेमाल भी करें।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता ब्लूमबर्ग फिलैन्थ्रॉपीज 2025 मेयर्स चैलेंज मे गाजियाबाद नगर निगम को मिला स्थान

विश्व के 630 नगर निकायों में से टॉप 50 मे शामिल हुआ गाजियाबाद, नगर निगम की बड़ी उपलब्धि- नगर आयुक्त

संवाददाता

लखनऊ/गाजियाबाद। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के कुशल नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम लगातार उत्तर प्रदेश या भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में भी अपनी एक अलग पहचान बनाता जा रहा है। इसी क्रम में गाजियाबाद नगर निगम के सुझावों को ब्लूमबर्ग फिलैन्थ्रॉपीज 2025 मेयर्स चैलेंज में शामिल किया गया है, जो कि शहर के लिए बहुत ही उत्साह का विषय है। गाजियाबाद नगर निगम विश्व के 50 सर्वश्रेष्ठ नगर निकायों में शामिल किया गया है, जिनके द्वारा जन हित में अपने-अपने सुझाव चैलेंज के माध्यम से दिए गए थे। महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा गाजियाबाद नगर निगम टीम की सराहना की गई तथा निगम अधिकारियों को बेहतर प्लानिंग के लिए भी उत्साहवर्धन किया गया। महापौर द्वारा बताया गया कि ब्लूमबर्ग फिलैन्थ्रॉपीज 2025 मेयर्स चैलेंज में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। अधिकारियों की मेहनत रंग लाई तथा टॉप 50 नगर निकायों में गाजियाबाद नगर निगम का भी स्थान रहा। यह उपलब्धि गाजियाबाद नगर निगम अधिकारियों द्वारा शहर हित में हासिल की गई है। नगर निगम द्वारा एस.एच.जी. महिलाओं के समूह के माध्यम से गोबर से पेंट बनाने की

प्रणाली तथा हाई राइज सोसाइटियों में निकलने वाले कचरे से खाद बनाने की प्रणाली तथा प्रतिवेदित में रखा गया, जिसकी प्रशंसा विश्व स्तर पर हुई तथा टॉप 50 नगर निकाय में गाजियाबाद को भी शामिल किया गया, जो की सराहनीय है। गाजियाबाद नगर निगम सहित में बहने वाले गोबर को रोक कर शहर में निकलने वाले गोबर का इस्तेमाल पेंट बनाने में करेगा। जिससे शहर की बिल्डिंग को रंग पर इस्तेमाल में लिया जाएगा। जिसके द्वारा वातावरण का बढ़ता तापमान लगभग 5 से 6 डिग्री स्तर ही कम होगा तथा शहर वासियों को इसका लाभ मिलेगा। इसी प्रकार दूसरी प्रणाली जिसमें हाई राइज सोसाइटी में निकलने वाले कचरे का इस्तेमाल खाद बनाने में किया जाएगा, जिससे मीथेन गैस का उत्सर्जन कम होगा फलस्वरूप शहर को ग्रीन सोसाइटी गाजियाबाद बनाया जाएगा। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम लगातार शहर हित में कार्य कर रहा है, इसी क्रम में विश्व स्तर पर भी गाजियाबाद नगर निगम द्वारा अपनी प्लानिंग को साझा किया गया तथा कंपटीशन में प्रतिभाग करते हुए अपना मुकाम हासिल किया 2021 में उड़ीसा के खेड़ फैला निगम को यह मुकाम मिला था। आज गाजियाबाद नगर निगम को भी यह मुकाम मिला है, जो कि हर्ष का विषय है। गाजियाबाद नगर निगम अपनी प्लानिंग को बेहतर तरीके से विश्व स्तर पर दिखाया। इस उपलब्धि में जनप्रतिनिधियों, पार्षदगणों तथा क्षेत्रीय निवासियों की भी अहम भूमिका तथा सहयोग मिला है, जो की प्रशंसनीय है। नगर आयुक्त द्वारा बड़ी उपलब्धि पर अपनी टीम का उत्साहवर्धन किया गया।

छात्र/छात्राओं के विद्यालय में भोजन / नाश्ते की आपूर्ति के अनुभवी, करें आवेदन

संवाददाता

गाजियाबाद। निदेशालय, समाज कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र के माध्यम से दिनांक 30.04.2025 को प्रमुख सचिव, समाज कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त उपलब्ध कराया गया है, जिसमें जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों का संचालन के बिन्दु संख्या 01-भोजन व्यवस्था के उपबिन्दु 1.4 के अन्तर्गत जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में जनपदों में संचालित स्वयं सहायता समूह के माध्यम से विद्यालयों में भोजन व्यवस्था का कार्य करने वाले स्वयं सहायता समूह से प्रस्ताव प्राप्त कर, कार्य की गुणवत्ता, अनुभव, मैनपावर आदि का परीक्षण कराकर प्रस्ताव मुख्य विकास अधिकारी के स्तर से निदेशालय को उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

अतः जनपद गाजियाबाद के विकास खण्ड रजापुर में संचालित ऐसे स्वयं सहायता समूह, जिन्हें लगभग 400 छात्र/छात्राओं के विद्यालय में भोजन / नाश्ते की आपूर्ति का अनुभव हो तथा जो धनराशि रू0 114/- प्रतिदिन प्रति छात्र की दर से 400 छात्राओं को भोजन / नाश्ते की आपूर्ति निदेशालय, समाज कल्याण, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा निर्धारित मैन्यू के अनुसार करने हेतु इच्छुक है, वो अपना प्रस्ताव अनुभव प्रमाण पत्र, विगत 02 वर्षों की बैंक स्टेटमेन्ट, विगत वर्षों के कार्यादेश इत्यादि अभिलेखों सहित दिनांक 02.07.2025 तक विकास भवन के भूतल स्थित जिला समाज कल्याण अधिकारी, गाजियाबाद के कार्यालय कक्ष 110-111 में उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

डबल इंजन सरकार का पशु सुरक्षा पर फोकस

ओबरा में बनेगी 1.65 करोड़ की लागत से कान्हा गौशाला

संवाददाता

सोनभद्र। केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार अब आम नागरिकों के साथ-साथ पशुधन की भी चिंता कर रही है। इसी कड़ी में ओबरा विधानसभा क्षेत्र में समाज कल्याण राज्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक संजीव कुमार गौड़ ने नगर पंचायत ओबरा में 1 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बनने वाली कान्हा गौशाला का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर मंत्री संजीव कुमार गौड़ ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में गौवंश की स्थिति उपेक्षित रही, लेकिन आज की सरकार न केवल गौवंश वध पर सख्ती से रोक लगा रही है, बल्कि उनके संरक्षण व पुनर्वास की दिशा में भी गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यह गौशाला क्षेत्र की एक बड़ी आवश्यकता थी, क्योंकि छुट्टा पशुओं की वजह से जनता लंबे समय से परेशान थी। अब इस गौशाला के निर्माण से न सिर्फ पशुओं को आश्रय मिलेगा, बल्कि नागरिकों को भी राहत मिलेगी। नगर निकाय अनुरक्षण द्वारा वित्त पोषित इस योजना से स्थानीय प्रशासन को भी छुट्टा जानवरों की समस्या से निपटने में मदद मिलेगी। मंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार गांव, गरीब, किसान और पशुओं के हितों को प्राथमिकता दे रही है। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख चेयरमैन लीला देवी, नगर पंचायत अध्यक्ष चांदनी देवी, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि संजीव तिवारी, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरुण कुमार, अधिशासी अधिकारी मधुसूदन जायसवाल, ग्राम प्रधान रेखा देवी सहित अनेक सभासद एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस शिलान्यास कार्यक्रम ने क्षेत्र में उम्मीद की एक नई किरण जगाई है कि अब छुट्टा पशु सिर्फ समस्या नहीं रहेंगे, बल्कि उनके लिए भी सम्मानपूर्वक जीवन की राह तैयार की जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

आपातकाल: कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता का प्रतीक:प्रदीप चौधरी

संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी गाजियाबाद महानगर के मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को लोकतंत्र के लिए सबसे काले दिन की संज्ञा देते हुए कहा कि यह भारत के संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था को रौंदने वाला एक काला अध्याय था, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। श्री चौधरी ने कहा कि कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने सत्ता बचाने के लिए जिस क्रूरता से संविधान की धज्जियां उड़ाईं, वह तानाशाही का जीवंत उदाहरण है। प्रेस की आजादी पर ताले जड़ दिए गए, न्यायपालिका को झुका दिया गया, लाखों देशभक्तों को बिना किसी अपराध के जेलों में बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में भी अनेक लोकतंत्र रक्षकों ने उस समय निडरता से अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई, जेल की यातनाएं सहीं, लेकिन संविधान की रक्षा से पीछे नहीं हटे। आज भाजपा कार्यकर्ता उन वीर सेनानियों के संघर्ष को नमन करता है और उनके त्याग को नमन करते हुए यह संकल्प दोहराता है कि लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संविधान की मर्यादा के लिए हम सदैव तत्पर रहेंगे। श्री चौधरी ने आगे कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस की सोच पूरी तरह तानाशाही में बदल चुकी थी। यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल की गलती नहीं, बल्कि एक पूरी राजनीतिक संस्कृति की काली करतूत थी, जिसमें भारत को असहाय और भयभीत बना देने का षड्यंत्र किया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज भी कांग्रेस उस मानसिकता से पूरी तरह मुक्त नहीं हुई है, वह केवल रूप बदलती है, लेकिन मंशा वही रखती है कि लोकतंत्र को अपनी सुविधा से चलाना। उन्होंने गाजियाबाद के युवाओं से आह्वान किया कि वे इस दिन को सिर्फ इतिहास न मानें, बल्कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सजग प्रहरी बनें, क्योंकि यदि इतिहास से हम सीख नहीं लेंगे, तो वही गलतियां फिर दोहराई जा सकती हैं। भारतीय जनता पार्टी उन सभी लोकतंत्र सेनानियों का अभिनंदन करती है, जिन्होंने अंधकार में आशा का दीप जलाया और भारत को फिर से लोकतंत्र की रोशनी में लौटाया।

देश के निर्माण में अग्रणी भूमिका में रहा है आर्यवीर दल : डॉ राकेश कुमार आर्य

संवाददाता

बलिया। यहां पर आर्यवीर दल और आर्य प्रतिनिधि सभा बलिया के संयुक्त तत्वावधान में वैदिक युवा चरित्र निर्माण शिविर एवं शौर्य प्रदर्शन कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे सुप्रसिद्ध इतिहासकार और भारत को समझो अभियान के राष्ट्रीय प्रणेता डॉ राकेश कुमार आर्य ने कहा कि देश के निर्माण में आर्यवीर दल की अग्रणी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि इस दल की स्थापना बड़ी विषम परिस्थितियों में महात्मा नारायण स्वामी जैसे स्वनामधन्य आर्य नेताओं के द्वारा उस समय की गई थी, जब स्वामी श्रद्धानंद जी महाराज जैसे अनेक आर्य नेताओं की हत्या किए जाने का एक सिलसिला आरंभ हो गया था। देश की तत्कालीन ब्रिटिश सरकार सहित कांग्रेस भी आर्य नेताओं को सुरक्षा देने में किसी प्रकार की रुचि नहीं दिखा रही थी। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी की लड़ाई में आर्य समाज के क्रांतिकारी युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया था। 1930 - 31 के सविनय अवज्ञा आंदोलन में जेल जाने वाले लोगों में 80% से अधिक आर्य समाज के लोग थे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे क्रांतिकारी नेता इस पवित्र संगठन को अपनी माता के रूप में सम्मान देते थे। इन सभी आर्य क्रांतिकारियों ने भारत को आजाद कराने के बाद स्वामी दयानंद के सपनों के अनुरूप

खड़ा करने का संकल्प लिया था। जिसमें स्वसंस्कृति, स्वधर्म, स्वदेश, स्वराष्ट्र, स्वभाषा को प्राथमिकता दी जानी अपेक्षित थी। परंतु लॉर्ड मैकाले के मानस पुत्रों ने अपनी शिक्षा नीति में भारत और भारतीयता को पूर्णतया उपेक्षित कर दिया। जिसका परिणाम यह हुआ है कि आज की युवा पीढ़ी किंकर्तव्यविमूढ़ की अवस्था में खड़ी है। परंतु आज भी समय है कि हम अपने आपको पहचानें। हमारे भीतर संस्कृति बोध और राष्ट्रबोध की पवित्र भावना आर्य समाज के आर्यवीर दल जैसे पवित्र संगठन ही पैदा कर सकते हैं। इसलिए हमें आर्य वीरों के निर्माण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। आर्यवीर दल उत्तर प्रदेश के प्रांतीय संचालक आचार्य पंकज आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि आर्य समाज ने प्रारंभ से ही राष्ट्र, धर्म और संस्कृति के लिए स्वयं को समर्पित किया। परिणामस्वरूप लोगों ने बढ़ चढ़कर देश की आजादी के आंदोलन में भाग लिया। अनेक आर्य विद्वानों ने भारतीय संस्कृति के मर्म से लोगों को परिचित कराया। सनातन को पुनर्स्थापित करने में आर्य समाज के महत्वपूर्ण योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज भी भारत को वास्तविक स्वरूप में पहचान दिलाने में आर्य समाज विशेष भूमिका निभा रहा है। यह भ्रांतियों का निवारण कर क्रांति का मार्ग प्रशस्त करता है। यद्यपि यह किसी प्रकार की खूनी क्रांति में विश्वास नहीं रखता, परंतु वास्तविक भाव परिवर्तन में अपनी अटूट आस्था रखता है। इसी भाव परिवर्तन की क्रांति से ही राष्ट्र वास्तविक उन्नति के पथ पर आगे बढ़ सकता है। इसलिए सारे देश को आर्य समाज की विचारधारा का अवलंबन करना चाहिए। इस अवसर पर आचार्य हरि सिंह द्वारा आर्यवीरों के अनेक प्रकार के रोमांचकारी प्रदर्शन कराए गए। जिसमें अर्पण आर्य, ओम प्रकाश भारद्वाज, विकास आर्य, देवलोक आर्य, उदय प्रताप सिंह आर्य जैसे ब्रह्मचारियों और आर्य वीरों ने विशेष भूमिका निभाई। कार्यक्रम का सफल संचालन और आयोजन आर्य जगत के सुप्रसिद्ध विद्वान आचार्य ज्ञानप्रकाश वैदिक द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम विगत 18 जून से आरंभ हुआ था। जिसमें अनेक आर्यवीरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि भारत के शौर्य को पहचान दिलाने का काम आर्यवीर दल के माध्यम से ही किया जाना संभव है। उन्होंने कहा कि आज जब सारा विश्व ईसाइयत और इस्लाम के दो खेमों में विभाजित हो गया है, जब इसराइल और भारत जैसे देशों का अस्तित्व बने रहना एक चुनौती बन गया है। अब नहीं तो कल भारत के लिए यह एक बड़ी समस्या बनकर आ सकती है। इसलिए समय से राष्ट्रवाद की प्रबल बयार बहाई जानी आवश्यक है। इस अवसर पर श्री कमला सिंह आर्य, प्रमोद आर्य (प्रांतीय संचालक आर्य वीर दल उत्तर प्रदेश) आर्यवीर दल के संरक्षक ओमप्रकाश आर्य , ईश्वरन जी अग्रवाल, अजय राय (अध्यक्ष संयुक्त महाफल देव आश्रम सिद्ध बलिया) ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में आर्यवीर दल बलिया के जिला संचालक राजेश कुमार आर्य, प्रमोद कुमार आर्य, जोरावर सिंह आर्य, चंद्रपाल सिंह आर्य सहित अनेक आर्यजनों की विशेष भूमिका रही।

स्कूलों के विलय के विरोध में आंदोलन करेगा जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ

27 जून को सीएम को सौंपा जाएगा ज्ञापन

संवाददाता

दनकौर। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों के विलय (मर्ज) के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। बुधवार को जूनियर हाईस्कूल दनकौर में आयोजित संगठन की एक अहम बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। तय किया गया कि 27 जून को जिले की सभी बीआरसी (ब्लॉक रिसोर्स सेंटर) पर खंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिला अध्यक्ष

निरंजन सिंह नागर ने कहा कि सरकार द्वारा प्राथमिक और जूनियर स्कूलों को मर्ज करने का निर्णय शिक्षकों के हितों के विरुद्ध है। इससे न केवल शिक्षकों को समस्याओं का सामना करना पड़ेगा, बल्कि बच्चों की शिक्षा व्यवस्था भी प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि संघ स्कूलों के अस्तित्व की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगा। उन्होंने बताया कि 27 जून को जनपद की चारों बीआरसी- दनकौर, जेवर, बिसरख व दादरी- पर एकसाथ ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन में मांग की जाएगी कि स्कूलों के विलय की योजना को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। बैठक में संतोष नागर, शकरुद्दीन, सतपाल लोहिया, उमेश राठी, संजय भाटी, सतवीर नागर, धर्मी मलिक, मनोज कुमार, मनोज नागर, सतीश नागर, गीता शर्मा, प्रमोद शर्मा, चंद्रशेखर, राकेश भाटी, रोहित गोयल, रणधीर नागर व मुकेश कुमार शर्मा सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में सरकार के फैसले का विरोध करने की बात कही और आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

जिंदगी की जिंदा दिली क्या होती है?

संवाददाता

गाजियाबाद। डॉ मिथिलेश शर्मा जानी-मानी हस्ती जो किसी नाम की मोहताज नहीं है जिन्होंने कितने ही बच्चों की जिंदगीयों को संवारा है शिक्षा के माध्यम से डॉक्टर मिथिलेश शर्मा के जज्बात कुछ शब्द से बताएं की दिल को छू गए कुछ अनकहे पहलू कुछ मन गुदगुदाहट कुछ दिल के एहसास बताते चले जिंदगी जीने का नजरिया और जिंदगी की जिंदा दिली क्या होती है इस कहानी के माध्यम से जानते हैं कुछ जज्बात कि मैं बूढ़ी हो रही हूं... लेकिन यह मेरे चेहरे पर झुर्रियों की वजह से नहीं था। यह मुझे आईने से नहीं पता था, न ही उस युवक

जिसने मुझे बस में अपनी सीट देने की पेशकश की थी। न ही उन फैशनेबल कपड़ों से नहीं था जिन्हें मैं अब नहीं समझती, या ये गाने जो मुझे शोर की तरह लगते हैं। यह कुछ ज्यादा ही सूक्ष्म था। बहुत गहरा।,,मैंने इसे तब महसूस किया जब मैंने दूसरों को समझाने की इतनी कोशिश करना बंद कर दिया।जब मैंने उन लोगों का पीछा करना बंद कर दिया जो मुझसे दूर चले गए थे। जब मुझे अब आखिरी शब्द कहने की जरूरत नहीं थी। जब मैंने जाने देना सीखा - बिना किसी नाटक के।चुपचाप, बिना बताए आ गया। कोई दुख नहीं, कोई डर नहीं। मेरे जीवन में बस शांत हो गयी - अपने साथ शांति की भावना लेकर आयी।,,मैं अब उन लोगों से माफी की उम्मीद नहीं करती जो माफी मांगना नहीं जानते।,,मैं किसी और की चुप्पी से परेशान नहीं होती। मैं समझ गयी हूं, हर कोई अपनी लड़ाई लड़ रहा है।,,जो लोग शांत में बात करना चाहते हैं, वे करते हैं।,,अब, मैं स्वीकृति नहीं चाहती।,,मैं फिट नहीं होना चाहती।,,मैं शांति से रहना चाहती हूं।,,मेरा शरीर अब शर्म का स्रोत नहीं है।,यह मेरा घर है। मेरी कहानी। मेरी स्मृति। मैं खुद को सुनती हूं। मैं खुद को गले लगाती हूं। मैं खुद को हूं। और पहली बार यही काफी है। मेरे खुद के लिए

समाजवादी पार्टी कार्यालय पर रानी दुर्गावती को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता

गोरखपुर। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर सोमवार को वीरांगना महारानी दुर्गावती की पुण्यतिथि को सर्वबलिदान दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए उनके शौर्य, बलिदान और सामाजिक योगदान को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में पार्टी के नवनियुक्त अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार गोंड झारखंडी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा, रानी दुर्गावती नारी शक्ति और स्वाभिमान की प्रतीक थीं। वह चंदेल वंश की बेटी और गोंडवाना राज्य की रानी थीं। जब मुगल सम्राट अकबर ने उनके राज्य पर हमला किया, तो उन्होंने झुकने की बजाय वीरगति को स्वीकार किया। 24 जून 1564 को उन्होंने अंतिम सांस ली

और इतिहास में अमर हो गईं। प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा, रानी दुर्गावती रणचंडी थीं, उन्होंने अपने बलिदान से साबित कर दिया कि भारत की बेटियां भी युद्धभूमि में पराक्रम दिखा सकती हैं। उनके साहस और बलिदान से आज भी प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव, जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंह यादव, जिला प्रवक्ता रमेश वर्मा, जिला उपाध्यक्ष राम प्यारे पटेल, महिला सभा की अध्यक्ष गीता गौर और मंदाकिनी पांडे, पवन यादव तथा युवा नेता अखिलेश जिज्ञासु सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन रानी दुर्गावती के बलिदान को नमन करते हुए और उनके पदचिन्हों पर चलने की शपथ के साथ किया गया।

शहीद नगर में कूड़े का अंबार और नालियां ओवरफ्लो

गाजियाबाद। शहीद नगर में स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। गली-मोहल्लों में जगह-जगह कूड़े के ढेर दिखाई दे रहे हैं। नालियां ओवरफ्लो होने से गलियों में बदबू फैल रही है। स्थिति इतनी खराब है कि लोग अपने घरों के दरवाजे खोलने से भी कतरा रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार गाजियाबाद नगर निगम को शिकायत की। लेकिन न तो कूड़ा उठाया गया और न ही कोई अधिकारी मौके का निरीक्षण करने आया। निगम की इस लापरवाही से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। इस समस्या से सबसे ज्यादा बुजुर्ग और बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। एक स्थानीय युवक ने बताया कि बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी होती है। उन्हें बदबू से बचने के लिए नाक पर हाथ रखकर चलना पड़ता है। गंदगी के कारण मच्छरों की संख्या बढ़ गई है। इससे डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता रहा है। बारिश के मौसम में यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि नगर निगम जल्द ही इस समस्या का समाधान करेगा।

विधायक की कार गुजरी, लेकिन एंबुलेंस नहीं जाने दी

यूपी में मां का शव लेकर 1 किमी पैदल चला बेटा, फिर ऑटो से घर ले गया

हमीरपुर। मानवता को शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। यहां यमुना पुल पर मरम्मत के चलते वाहनों की एंट्री बंद है। इसके बाद भी भाजपा विधायक की कार पुल से होकर गुजरी, लेकिन कानपुर की मां का शव लेकर जा रही एम्बुलेंस को रोक दिया गया। बेटों ने पुलिसकर्मियों के हाथ-पैर जोड़े, काफी देर तक मिन्नतें कीं, लेकिन पुलिसकर्मी एम्बुलेंस को भेजने के लिए राजी नहीं हुए। इसके बाद बेटे ने स्ट्रेचर सहित एम्बुलेंस से शव को उतारा और करीब 1 किमी पैदल चलकर पुल पार किया। स्ट्रेचर को एक तरफ बेटा, तो दूसरी तरफ एम्बुलेंस ड्राइवर और चिकित्सा कर्मी पकड़े हुए थे। इसके बाद शव को ऑटो से लेकर घर गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है मामला कानपुर-सागर हाईवे एनएच-34 का है। कानपुर-सागर (एनएच-34) पर यमुना नदी पर बने पुल की मरम्मत का काम शनिवार सुबह 6 बजे से शुरू हुआ। इसके चलते पुल से वाहनों की आवाजाही दो दिन के लिए रोक दी गई। शनिवार सुबह 6:44 बजे सदर विधायक मनोज प्रजापति की कार को पार कराने के लिए यमुना पुल पर लगी बैरिकेडिंग हटा दी गई। इसके तीन घंटे बाद सुबह 9:30 बजे टेढ़ा गांव निवासी विपिन (25) अपनी मां शिवदेवी (63) के शव को लेकर कानपुर से एम्बुलेंस में लौटे, लेकिन पुल पर तैनात पुलिसकर्मियों ने एम्बुलेंस को रोक दिया इसके बाद विपिन को स्ट्रेचर पर अपनी मां के शव को करीब 1 किमी तक पुल के उस पार ले जाना पड़ा। फिर उन्होंने शव को एक ऑटो में रखवाया और घर के लिए रवाना हुए। इस मामले पर विधायक मनोज प्रजापति ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उनके भाई की तबीयत खराब थी और उन्हें कानपुर रेफर किया गया था। सुबह 6 बजे जब वह पुल पर पहुंचे, तब पुल एक ओर से खुला था जबकि दूसरी ओर से बंद किए जाने की प्रक्रिया चल रही थी। उसी दौरान उनकी गाड़ी पुल से निकली। उन्होंने स्पष्ट किया कि शव वाहन दोपहर में आया था, उस समय पुल पर मरम्मत कार्य शुरू हो चुका था। ऐसे में दोनों घटनाओं की तुलना करना गलत है। यमुना पुल से मां का शव लेकर निकलने वाले बेटे विपिन यादव ने बताया कि उनकी मां ई-रिक्शा से गिर गई थीं, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था। इलाज के लिए उन्हें हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जब मैं एम्बुलेंस में मां का शव लेकर पहुंचा तो पुल बंद था। मैंने पुलिसकर्मियों से हाथ जोड़कर विनती की कि मेरी गाड़ी को निकलने दिया जाए, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। मजबूरी में मैंने स्ट्रेचर पर मां का शव रखकर पुल पार किया। इस दौरान शव वाहन के ड्राइवर और सहयोगी ने मेरी मदद की और हम शव को पुल के इस पार लेकर आए। इस मामले में पीएनसी कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर एमपी वर्मा ने कहा कि जब विधायक की गाड़ी पुल से निकली, उस समय मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ था। सिर्फ पुल बंद करने की प्रक्रिया जारी थी। वहीं, शव वाहन दोपहर में पहुंचा, जब पुल पर मरम्मत कार्य चल रहा था, इसलिए उसे रोका गया। यमुना पुल के संचालन में लापरवाही की शिकायतें मिलने पर डीएम घनश्याम मीना ने पीएनसी के परियोजना प्रबंधक एमपी वर्मा को कड़े निर्देश दिए। इसके बाद एमपी वर्मा ने जानकारी दी कि मरम्मत के दौरान पुल से वाहन निकालने और ड्यूटी में लापरवाही बरतने के मामले में सहायक रूट पेट्रोलिंग ऑफिसर संतोष कुमार चौधरी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्हें तत्काल प्रभाव से जिले से हटाकर क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ से संबद्ध कर दिया गया है। साइट इंजीनियर पंकज सिंह ने बताया- 10 नंबर पिलर पर दो नई बेयरिंग लगाई गई हैं, जबकि छह की मरम्मत की गई है। दरोगा नरेंद्र प्रसाद ने बताया कि भारी वाहन चालकों को खासा दिक्कत हो रही है। लोडेड ट्रक इस मार्ग से नहीं निकल पा रहे हैं। जोल्हूपुर के रास्ते भेजे जा रहे हैं। हालांकि, पैदल आने जाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुल बंद होने के बाद लोगों को कुरारा-घाटमपुर मार्ग से कानपुर की ओर भेजा जा रहा है। यह मार्ग करीब 25 किमी लंबा है, लेकिन सड़क की हालत इतनी खराब है कि इसे पार करने में दो घंटे तक लग रहे हैं। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं और कई हिस्सों में पूरी सड़क ही उखड़ी हुई है।

लखनऊ में रुक-रुककर हुई बारिश

लखनऊ। कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। आसमान में बादल छाए हुए हैं। पूर्वी हवाओं के असर से मौसम ठंडा बना हुआ है। दिन में अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। रविवार सुबह पॉलिटेक्निक तिराहा और चिनहट के आसपास बारिश हुई। दोपहर में इंदिरा नगर और गोमती नगर में बारिश हुई। शाम को सरोजनी नगर में तेज बारिश हुई। बारिश की वजह से जगह-जगह सड़कों पर जलभराव हो गया। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शनिवार को मौसम गर्म और उमस भरा रहा। दिन का अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक है। रात का न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.5 डिग्री ऊपर है। सापेक्षिक आर्द्रता 85% दर्ज की गई, जिससे दिनभर उमस भरे माहौल में लोग परेशान हुए। दोपहर के समय बारिश के बाद मौसम सामान्य हुआ। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, रात में गरज के साथ बारिश हो सकती है। 5-10 मिमी तक बारिश होने की संभावना है। हवा की गति 10-15 किलोमीटर प्रति घंटा के आसपास रह सकती है, जो बारिश के दौरान थोड़ी तेज हो सकती है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि राज्य के कुछ हिस्सों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। लखनऊवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। अगले 24 घंटों में मानसून पूरे प्रदेश में सक्रिय हो जाएगा। मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि मानसून का टर्फ दक्षिण तरफ चला गया था। इसके चलते धूप का दौर बना रहा, लेकिन अब पूरे प्रदेश में बारिश का दौर शुरू होगा। इसके बाद 2-3 दिनों तक तराई और मध्यवर्ती क्षेत्रों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। 30 जून को तराई इलाकों में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी भी जारी की गई है। इसके बाद 1 जुलाई से मौसमी द्रोणी के दक्षिण की ओर खिसकने से भारी बारिश की संभावना दक्षिणी भागों की ओर बढ़ सकती है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले 24 घंटों में प्रदेश के शेष हिस्सों को कवर करने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

पडरौना बाल शिक्षा समिति के उमाशंकर सोनी बने जिला अध्यक्ष, सेतुवान जिलामन्त्री

संवाददाता

कुशीनगर। पडरौना बाल शिक्षा समिति कुशीनगर के जिला समिति का चुनाव सम्पन्न कराया। नगर स्थित महर्षि अरविन्द विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सभागार में पडरौना बाल शिक्षा समिति कुशीनगर के जिला समिति के पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें उमाशंकर सोनी को जिला अध्यक्ष, डॉ. ममता मणि त्रिपाठी को जिला उपाध्यक्ष व सेतुवान को जिलामन्त्री सर्व सम्मति से चुना गया। रविवार को जिला समिति के बैठक के पूर्व माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्पार्चन कर किया गया। जिला कार्य समिति की बैठक में सर्व प्रथम योगेन्द्र जायसवाल ने जिला अध्यक्ष के लिए उमाशंकर सोनी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसका समर्थन हाथ उठाकर व ॐ का उच्चारण कर सभी ने किया। इसके बाद क्षेत्रीय बाल संगठन मन्त्री राम जन्म गुप्ता ने उमाशंकर सोनी को पडरौना बाल शिक्षा समिति के जिला अध्यक्ष घोषित कर दिया। नव जिला अध्यक्ष चुने गए उमाशंकर सोनी ने अपनी कार्यकारणी घोषित की। जिसमें डॉ. ममता मणि जिला उपाध्यक्ष, सेतुवान जिलामन्त्री, मधुसूदन पाण्डेय जिला सहमन्त्री, शिवप्रताप नारायण सिंह जिला कोषाध्यक्ष जबकि विनोद कान्त मिश्र, योगेन्द्र जायसवाल, नत्थू शर्मा, दीनानाथ यादव, अशोक, डॉ. चंद्रशेखर सिंह, दीनानाथ जायसवाल, धर्मेन्द्र मिश्रा, जिया लाल, डॉ. अनुज कुमार को जिला सदस्य घोषित हुए। अतिथियों का परिचय प्रदेश निरीक्षक जिया लाल ने कराया। अतिथियों का स्वागत प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा बैज लगाकर व अंगवस्त्र ओढ़ा कर किया गया।

पंडित बिरजू महाराज ने भगवान की लीलाओं को जीवंत किया: डॉ. ज्योति शुक्ला

संवाददाता

कुशीनगर। बिरजू महाराज कथक संस्थान संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ तथा चाइल्ड केयर फाउंडेशन कुशीनगर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय ग्रीष्मकालीन कथक नृत्य कार्यशाला का समापन तथागत बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर में अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंचासीन के साथ दीप प्रज्वलन कर भगवान नटराज के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। मुख्य अतिथि कालिंदी त्रिपाठी ने प्रशिक्षणार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम ने युवाओं में भारतीय शास्त्रीय नृत्य एवं संस्कृति के प्रति नई प्रेरणा एवं उत्साह का संचार किया है। पूनम गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति के अंतर्गत गायन वादन और नृत्य की शिक्षा लेना आज की व्यस्ततम समय में अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षिका डॉ. ज्योति शुक्ला ने कहा कि पंडित बिरजू महाराज ने कई पौराणिक कथाओं और भगवान कृष्ण की लीलाओं को अपने हस्त मुद्राओं और भावों के द्वारा जीवंत किया है। सात दिवसीय कार्यशाला में बिरजू महाराज के गीत श्यामा संग के साथ गुरु वंदना, कृष्ण वंदना, तत्कार, हस्तक, तत तत थुन थुन, धा धा धेई धेई आदि विभिन्न मुद्राओं का प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों को संस्थान की तरफ से प्रमाण पत्र भी दिया गया है। कार्यक्रम संयोजक चाइल्ड केयर फाउण्डेशन के सचिव डॉ अनिल कुमार सिन्हा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कुशीनगर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। अब उन्हें निखारने का एक सशक्त माध्यम संस्कृति विभाग की तरफ से मिल रहा है आप सभी से आग्रह है कि इस अवसर का लाभ लें और बच्चों को भारतीय शास्त्रीय कला से जोड़ें। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संस्था के अध्यक्ष पूर्व विधायक माननीय रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा की पंडित बिरजू महाराज कथक संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य केवल नृत्य सीखना ही नहीं बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत से बच्चों को जोड़ना और उनमें गर्व की भावना विकसित करना तथा आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उनमें रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना है। इसी क्रम में सेवानिवृत्त जिला जज संतोष कुमार श्रीवास्तव, प्रमुख मिश्रा ने संबोधित किया। संचालन नीरज राय तथा आभार पुष्प गुप्ता ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अधिवक्ता एहसान अहमद लारी, सुरेन्द्र पाण्डेय, प्राचार्य चंद्रभूषण सिंह, वंदना मद्धेशिया, शशि प्रभा सिन्हा, शाम्भवी सिन्हा, अनीता श्रीवास्तव सह बौद्धिक विभाग प्रमुख सुरेश गुप्त प्रदीप राय उपस्थित रहे।

भाजपा का संकल्प से सिद्धी अभियान: कुशीनगर में लगे 34 हजार पौधे

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविवार को संकल्प से सिद्धी अभियान के अन्तर्गत बूथ स्तर पर एक साथ तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी बूथों पर कार्यक्रम की शुरूआत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि हुई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण सुना। फिर 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण भी किया गया। मन की बात के 123 वें संस्करण में पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सफलता और दुनिया भर में योग कार्यक्रमों में लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के बारे में बात की। उन्होंने तीर्थयात्रियों द्वारा की जाने वाली पवित्र यात्राओं, आपातकाल लागू होने, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की सफलता और प्रकृति संरक्षण के महत्व सहित कई दिलचस्प विषयों पर जानकारी साझा की। पीएम ने वियतनाम में पूजनीय भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों पर बात की, जिन्हें भारत से भेजा गया था। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय फाजिलनगर विधानसभा के बरवां बुकदेव में बूथ संख्या 245 पर प्रधानमंत्री जी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 123 वें संस्करण को स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ सुना तथा बलिदान दिवस के अवसर पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। पडरौना विधायक मनीष जायसवाल और मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक विवेकानंद शुक्ल पडरौना विधानसभा के खनवार बकलोलही में बूथ संख्या 360 पर पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना तथा जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस अवसर पर विजय कुमार सोनी, शिवप्रसाद चौहान, विक्रांत सिंह, मुन्ना सिंह, लक्ष्मी प्रसाद, राजकिशोर राय, मुन्ना मल्ल, राजन पाण्डेय, प्रभु गुप्ता बोरख गुप्ता, रमेश मिश्रा सहित सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। जिला संयोजक व जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल ने बताया कि जनपद के सभी बूथों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम प्रसारित किया गया जिसमें 39365 लोगों ने सहभागिता किया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के जिला संयोजक व जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ल ने बताया कि जनपद के सभी बूथों पर 34000 पौधे लगाए गए। जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने बताया कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस के अन्तर्गत जनपद के सभी बूथों पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा किया।

संक्षिप्त डायरी

बलिदान दिवसः सच्चे राष्ट्रभक्त थे डॉ श्यामा प्रसादः रजनीकांत मणि त्रिपाठी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत बिड़ला धर्मशाला में बुद्धनगरी स्थित बूथ संख्या 275 से जुड़े पार्टी जनों द्वारा पार्टी के निर्देशानुसार मन की बात, वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुए और जन संघ के संस्थापक रहे डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने डॉ मुखर्जी को सच्चा राष्ट्र भक्त बताते हुए कहा कि एक राष्ट्रवादी होने के नाते डॉ0 मुखर्जी ने अपनी पूरी क्षमता के साथ राष्ट्र निर्माण का कार्य किया। वह प्रखर विचारक, वक्ता, श्रेष्ठ राजनेता, करोड़ों लोगों के जन नेता, कुशल संगठन कर्ता और प्रखर राष्ट्रवादी, देशभक्त थे। 11 मई को कश्मीर में परमिट सिस्टम को तोड़कर प्रवेश करने से उन्हें गिरफ्तार कर श्रीनगर जेल में बंद कर दिया गया। 23 जून को बंदी की दशा में उनकी मृत्यु हो गई थी। पार्टी जनों ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत आम का फलदार पौधा लगाया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर सभासद प्रभुनाथ सिंह, गुड्डू गुप्ता, तेज प्रताप पाठक, धीरज गुप्ता, विजय सिंह सतीश राजभर, देवव्रत सिंह, रघुवर सिंह सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अहिरौली राजा शिव मंदिर परिसर लगाए फलदार पौधे

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम पर अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने अहिरौली राजा शिव मंदिर परिसर में पीपल, नीम, अशोक, आम, जामुन और अमरूद के पौधे लगाए। मुख्य अतिथि भाजपा शक्ति केंद्र संयोजक दुर्गेश जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल को अपनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। एक पेड़ लगाकर हम मां के प्रति सम्मान और पर्यावरण के प्रति कर्तव्य दोनों निभा सकते हैं। भाजपा नेता खालिद ने कहा कि पौधरोपण जीवनदायिनी प्रक्रिया है और इसे हमें हर शुभ अवसर से जोड़ना चाहिए। इस दौरान पूरे टेकुआटार मण्डल अध्यक्ष राजेश राव के नेतृत्व में हर बूथ स्तर पर पौधे लगाए गए। इस अवसर पर मण्डल मंत्री मनोज मिश्रा, अजय जायसवाल, लक्ष्मण मद्धेशिया, विनय मद्धेशिया, संदीप, राजेश जायसवाल, उमेश मिश्र, अशोक पटेल, प्रशान्त किशोर यादव मौजूद रहे।

लखनऊ में सफाईकर्मी को मारा पत्थर, सिर फटा

लखनऊ। कुछ लोगों ने नगर निगम के एक सफाईकर्मी को पत्थर मारकर उसका सिर फोड़ दिया। कर्मी से कहा था कि यहां साफ कर दो। इस पर उसने जवाब दिया कि भैया, उधर सफाई कर रहा हूं। थोड़ी देर में आता हूं, यहां भी झाड़ू लगा दूंगा। बस इतना सुनते ही उन लोगों ने सफाईकर्मी पर पत्थर से हमला कर दिया। घटना रविवार को अलीगंज में कूड़ा उठाने के दौरान हुई। साथी का सिर फूटते ही कई सफाई कर्मचारी अलीगंज थाने पहुंच गए। वहां आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने का आश्वासन दिया। इसके बाद ये लोग शांत हुए। घटना के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। सुबह करीब 10:30 बजे अलीगंज के सेक्टर बी में सेंट माइकल स्कूल के पास में कूड़े उठाने की शिकायत कंट्रोल रूम से आई। इसके बाद नगर निगम की तरफ से अधिकृत एजेंसी राजूपन इंटरप्राइजेज के कर्मचारी आनंद वाल्मीकि कूड़ा उठाने के लिए गए। मौके पर कूड़ा उठा कर वह निकलने लगे तभी एक युवक ने मौके पर आकर कहा कि उनके घर के पास में भी कूड़ा पड़ा है। उसे भी चलकर हटाओ। इस दौरान आनंद ने दोबारा आकर कूड़ा उठाने की बात कही। इसपर गाली-गलौज के बाद आनंद को तीन-चार लड़कों ने पीट कर पत्थर से मार दिया। घटना के बाद पुलिस आनंद का मेडिकल कराने के लिए लोकबंधु अस्पताल लेकर गई है। वहां पर उनका सिटी स्कैन किया जाएगा। इसके बाद उन्हें फिलहाल काम से छुट्टी दे दी जाएगी। वहीं, घटना के बाद नाराज कर्मचारियों ने अलीगंज थाने का घेराव किया। मौके पर पुलिस से कार्रवाई करने की मांग करने लगे। कर्मचारियों ने कहा कि हम सफाई कर्मचारियों की यही स्थिति रह गई है कि जब कोई चाहे हमें पीट दे रहा है। आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं। अचानक हुई घटना के बाद मौके पर नगर निगम के अधिकारी भी पहुंचे। इस दौरान घटना के बारे में पूरी जानकारी ली। जोनल सेनेटरी ऑफिसर डिलेंद्र चौधरी का कहना है कि मामले की रिपोर्ट नगर आयुक्त को भेजी जाएगी। उन्हें पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया जाएगा। वहीं, मामले में अलीगंज इंस्पेक्टर का कहना है कि अज्ञात में आरोपियों के खिलाफ पीड़ित की पत्नी रंजीता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज हुआ है। स्थिति नियंत्रण में है। पीड़ित का मेडिकल टेस्ट कराया जा रहा है।

जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़, प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, एक ही रास्ते से एंट्री और एग्जिट

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान हुई भगदड़ के प्रत्यक्षदर्शियों ने भयावह स्थिति का आंखों देखा हाल बताया है। उन्होंने बताया कि एक ही रास्ते से एंट्री और एग्जिट था, और एग्जिट गेट बंद करके वहीं से वीआईपी एंट्री कराई गई थी, जिससे आम भक्तों के लिए कोई अलग रास्ता नहीं था। इस बीच पुलिस भीड़ को संभालने में नाकाम रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रथ के सामने पूजा सामग्री से लदे दो ट्रक घुस आए, उससे कई भक्त उससे टकराकर गिर पड़े और भगदड़ मच गई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि कहने के एक मौके पर कोई पुलिसकर्मी नहीं था और एंबुलेंस एक किलोमीटर दूर खड़ी थी, जिससे घायलों को तीन हाथों पर उठाकर ले गए। एक भुक्तभोगी के पति ने प्रशासन की लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी मदद मांगती रहीं लेकिन कोई सुनने वाला नहीं था। यह हादसा गुंडिचा मंदिर के पास रविवार सुबह 4:20 बजे हुआ, जिसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हुए। जगन्नाथ जी का रथ बाद में पहुंचने से दर्शन की होड़ लग गई, जिससे भीड़ अनियंत्रित हो गई। पुरी की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ को उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर के सामने 9 दिन के लिए खड़ा कर दिया जाता है। यहां बलभद्र और सुभद्रा के रथ पहले पहुंच चुके थे। जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, जिससे लोगों में उनके दर्शन करने की होड़ लग गई। इसी दौरान भगदड़ मची, जिसमें गिरने से कई लोग कुचल गए। बताया जा रहा है कि घटना के समय वहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान बसंती साहू (36), प्रेमकांति महांति (78) और प्रभाती दास है। इनके शव पुरी मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं।

शेफाली जरीवाला डेथ केस: पीएम रिपोर्ट में बीपी गिरने और हार्ट अटैक बताया मौत का कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेत्री शेफाली जरीवाला डेथ केस में नया खुलासा हुआ है। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का वास्तविक कारण सामने आ गया है। पीएम में ब्लड प्रेशर का तेजी से गिरना और हार्ट अटैक आना मौत की वजह बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि 27 जून को यानी जिस रात शेफाली जरीवाला की मौत हुई थी, उस दिन उनके घर में पूजा थी और वो पूरे दिन व्रत पर थीं। बता दें, 27 की रात जब शेफाली की तबीयत अचानक से बिगड़ी तो उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित किया गया था। घटना के वक्त घर पर शेफाली के पति पराग त्यागी, मां और कुछ अन्य सदस्य मौजूद थे। फॉरेंसिक टीम ने उनके घर से अलग-अलग तरह की दवाएं जब्त की हैं, जिनमें एंटी-एजिंग कैप्सूल, विटामिन सप्लीमेंट्स और गैस्ट्रिक से संबंधित गोलियां शामिल हैं। वहीं, दूसरी और पुलिस लगातार शेफाली जरीवाला डेथ केस की जांच में जुटी हुई है। अबतक पुलिस ने इस मामले में 8 लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें परिवार के सदस्य, घरेलू नौकर और बेलव्यू अस्पताल के डॉक्टर शामिल हैं। जांच के दौरान किसी प्रकार के विवाद या झगड़े के कोई संकेत नहीं मिले हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो पूरे दिन व्रत पर रहने के बाद जब शेफाली ने रात में खाना खाने गईं, तभी वह बेहोश होकर गिर गईं थीं। इसके अलावा यह भी बताया जा रहा है कि उस रात घटना से पहले शेफाली एंटी एजिंग का इंजेक्शन भी लिया था। शेफाली को यह मेडिसिन सालों पहले एक डॉक्टर की सलाह पर दी गई थी, और तब से वह हर महीने यह ट्रीटमेंट लेती आ रही थीं।

भारतीय नौसेना के जवानों ने संकट में फंसे जहाज पर तुरंत कार्रवाई की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस तबर को एमटी यी चेंग 6 नामक जहाज से संकट की सूचना मिली, इसके बाद जहाज ने तुरंत कार्रवाई कर आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। 13 भारतीय नौसैनिक और 5 फायर दल के सदस्य वर्तमान में आग बुझाने के काम कर रहे हैं। पुलाऊ पलाऊ वाला एमटी यी चेंग 6 गुजरात के कांडला से ओमान के शिनास जा रहा था। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि ओमान की खाड़ी में तैनात भारतीय नौसेना का स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तबर ने 29 जून को एमटी यी चेंग 6 से एक संकट कॉल का जवाब दिया। भारत से शिनास, ओमान जा रहा था, इंजन रूम में एक बड़ी आग लग गई और जहाज पर पूरी तरह से बिजली गुल हो गई। आईएनएस तबर से अग्निशमन दल और उपकरणों को जहाज की नाव और हेलीकॉप्टर द्वारा जहाज पर स्थानांतरित किया गया। 13 भारतीय नौसैनिक और 05 चालक दल के सदस्य वर्तमान में आग बुझाने के काम में लगे हुए हैं, जिससे जहाज पर लगी आग की तीव्रता में काफी कमी आई है।

ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय वायुसेना के मुरीद हुए दो देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की ताकत और युद्ध लड़ने की क्षमता पर दो देशों ने बड़ा बयान आया है। थाईलैंड और ग्रीस ने भारतीय सेना के शौर्य और ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की है। थाईलैंड की वायु सेना ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर को आधुनिक युद्ध का मास्टरक्लास बताया है। रॉयल थाई वायुसेना ने आधिकारिक बयान में कहा है कि भारतीय वायुसेना ने कैसे एक साथ नौ आतंकी ठिकानों और पाकिस्तान के 11 एयरबेस को सहायता से जवाब हमला किया और वहां बिना एक भी एयरक्राफ्ट को नुकसान पहुंचे। थाईलैंड ने माना कि भारत ने मल्टीलेयर एयर डिफेंस, साइबर ऑपरेशन और डीप स्ट्राइक क्षमताओं का ऐसा संगम दिखाया है, जो दुनिया में विरले ही देखने को मिलता है। वहीं, ग्रीस ने कहा है कि उसके देश को भारत से आधुनिक युद्ध की कला सीखने की जरूरत है। खासकर तुर्की जैसे विस्तारवादी देश के खतरे को देखते हुए। ग्रीस की सेना को भारतीय सेना से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। तुर्किए ग्रीस के कई आईलैंड पर अपना दावा ठोकता है। तुर्किए ने साइप्रस के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर रखा है। ऐसे में पूरी दुनिया में स्थिति बदल रही है कि तुर्किए ग्रीस पर हमला भी कर दे। इस अखबार ने कहा है कि तुर्किए ग्रीस पर हमला करने के लिए पाकिस्तान की मदद ले सकता है।

विपक्ष संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की मानसिकता से नहीं आ पा रहा बाहर: सुधांशु

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को नई दिल्ली के बीजेपी कार्यालय में बिहार में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि वह कहते हैं कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्भाग्यपूर्ण काले अध्याय आपातकाल के 50 साल पूरे किए हैं, लेकिन बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे। वहां कल एक ऐसी रैली हुई, जिसमें तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। जबकि यह कानून दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचाराधीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान। यह साफ है कि 50 साल बाद भी इंडी गठबंधन संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की पुरानी आदत से बाहर नहीं आ पाया है।

उन्होंने कहा कि वोट बैंक की चाहत में इंडी गठबंधन के सहयोगी तेजस्वी द्वारा जो कुछ बोला गया है, उससे साफ है कि ये संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। सुधांशु ने वक्फ का जिक्र करते हुए कहा कि मैं यह बताना चाहता हूं कि कुरान में 'वक्फ' जैसा कोई शब्द नहीं है। यह मौलवियों का बनाया शब्द है। इस्लाम आपको खर्च करना और देना सिखाता है, न कि रखना या जमा करना और फिर भी, आप कहते हैं, –संसद करो–? यह बाबा साहेब के संविधान का मजाक उड़ाने के अलावा और कुछ नहीं है, इसे धर्मनिरपेक्ष दस्तावेज से मौलवियों की डिक्री में बदलने की कोशिश है। यह चंद मुस्लिमों के साथ खड़े हैं, जो पैसों की ताकत रखते हैं। यह गरीब मुस्लिमों के साथ नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि अगर ये कभी सत्ता में आए तो यह संभव नहीं है, लेकिन ये बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान को कूड़ेदान में फेंक देंगे और शरिया कानून लागू करेंगे। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। जब पूरे भारत में सरकार ने केवल एक बार 400 सीटें पार की हैं, तो भी 1985 में और फिर क्या हुआ? शाहबानो मामले को देखें। उस 400 से ज्यादा की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कुचल दिया और शरिया कानून को संविधान से ऊपर रख दिया। ये पिछड़े, दलित, का आरक्षण भी यह खत्म करना चाहते हैं।

उन्होंने जामिया और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में एससी/एसटी और ओबीसी आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाया। सुधांशु ने कहा कि 2012 और 2014 में माइनॉरिटी संस्थानों को दर्जा दिया गया। तेलंगाना और कर्नाटक में मुस्लिमों को ओबीसी में शामिल किया गया। बंगाल में भी यही हो रहा है। तर्क यह दिया गया कि यह मुस्लिम पहले ओबीसी हिंदू समुदाय से थे और बाद में यह कन्वर्ट हुए, इसलिए इन्हें ओबीसी में रखा गया। इंडी गठबंधन के सपनों को हम साकार नहीं होने देंगे। देश का विधान बाबा साहेब के संविधान से चलेगा।

देवेंद्र फडणवीस पर हमलावर संजय राउत, झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा तीन-भाषा नीति पर माशेलकर समिति की रिपोर्ट स्वीकार करने के झूठे दावा करने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। सांसद राउत ने कहा कि झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति है। उन्होंने भाजपा को चुनौती देकर कहा कि अगर ठाकरे ने माशेलकर समिति की रिपोर्ट पेश की थी, तब उस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए था। ठाकरे गुट के नेता राउत ने कहा कि झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति है। ये लोग महाराष्ट्र में इसी नीति के तहत काम कर रहे हैं। अगर उद्धव ठाकरे ने माशेलकर समिति पर कोई रिपोर्ट पेश की है, तब उस रिपोर्ट को फडणवीस सरकार को सार्वजनिक करना चाहिए। एक समिति की रिपोर्ट जारी की गई है और कैबिनेट में रखी गई है। क्या इस पर चर्चा नहीं हो सकती? आपने कैबिनेट के साथ जबरदस्ती हिंदी पर चर्चा की, आपने ऐसा इसलिए किया क्योंकि यह एक राष्ट्रीय नीति है। राउत ने तंज कसते हुए कहा कि देवेंद्र फडणवीस तीन बार मुख्यमंत्री बन चुके हैं, क्या उन्हें इतना भी ज्ञान नहीं है? इसके पहले 29 जून को, विपक्ष की भारी आलोचना का सामना करने और राज्य के लोगों पर 'हिंदी भाषा थोपने' के आरोप के बाद महाराष्ट्र सरकार ने तीन-भाषा नीति के कार्यान्वयन पर दो आदेशों को रद्द किया था। महाराष्ट्र सरकार के एक प्रेस नोट के अनुसार, 24 जून को मुख्यमंत्री फडणवीस ने तीन-भाषा फॉर्मूले पर घोषणा कर आरोप लगाया था कि यह पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे थे जिन्होंने कक्षा 1 से 12 तक तीन-भाषा नीति शुरू करने के लिए डॉ. एमुलकर माशेलकर समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया था और इसके कार्यान्वयन के लिए एक पैनल भी गठित किया था।

कांग्रेस सांसद सोवियत रूस के एजेंट के तौर पर करते थे काम, मिलती थी फंडिंग

-बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

गोड्डा (एजेंसी)। झारखंड के गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के दिवंगत नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से ज्यादा कांग्रेस के सांसद सोवियत रूस से फंडिंग करते थे और उनके एजेंट के तौर पर काम करते थे। सांसद ने ये आरोप यूएस एजेंसी सीआईए द्वारा 2011 में जारी दस्तावेज के आधार पर लगाए हैं।

दुबे ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि कांग्रेस, भ्रष्टाचार और गुलामी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बड़े नेता दिवंगत एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से ज्यादा कांग्रेस के सांसद सोवियत रूस के पैसे पर चलते थे और रूस के लिए दलाली करते थे। दुबे ने पत्रकारों के समूह पर एजेंट के तौर पर काम करने की बात भी पोस्ट में लिखी। पत्रकारों के समूह उनके दलाल थे और कुल 16 हजार न्यूज आर्टिकलों का जिक्र है जो रूस ने छपवाए।

नेताओं की फंडिंग और पत्रकारों की दलाली के अलावा रूसी लोगों के हिन्दुस्तान में रहने के भी आरोप लगाए हैं। दुबे ने आगे लिखा कि उस जमाने में रूस के जासूसी संस्थानों के 1100 लोग हिंदुस्तान में थे जो नौकरशाही, व्यापारी संगठनों, कम्युनिस्ट पार्टियों, ओपिनियन मेकर को अपनी जेब में रखते थे और सूचना के साथ भारत की नीति बनाते थे। दुबे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की उम्मीदवार सुभद्रा जोशी ने लोकसभा चुनाव में उस वक्त 5 लाख रुपए लिए थे। जर्मन सरकार से चुनाव के नाम पर हारने के बाद इंडो जर्मन फोरम की अध्यक्ष बनीं। दुबे सवालिया अंदाज में लिखा- यह देश था या गुलामी, दलालों या बिचौलियों की कठपुतली। कांग्रेस इसका जवाब दे?

सिंधु जल संधि को स्थगित करने से क्या लाभ, शिवराज, पाटिल और भूपेंद्र यादव जनता को बताएंगे

पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में व्यापक जनसंपर्क अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार अपने वरिष्ठ मंत्रियों को जनता के बीच भेजेगी, ताकि वे लोगों को समझा सकें कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला कितना फायदेमंद है। सूत्रों के अनुसार, जनता को समझाया जाएगा कि इस संधि को क्यों स्थगित किया और इससे भारत को कैसे और कितना फायदा होगा।

खासकर उत्तर भारत के उन राज्यों में संसदों को पहुंचाया जाएगा, जहां भविष्य में नदियों के पानी के इस्तेमाल की ज्यादा संभावना है। इसके लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव जैसे वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों को जिम्मेदारी मिली है।

भारत सिंधु नदी के पानी का अपने लिए बेहतर इस्तेमाल करेगा और इसके लिए दीर्घकालिक रणनीति पर काम किया जा रहा है। इसमें 160 किलोमीटर नहर बनाना शामिल है, ताकि चिनाब को रावी, व्यास और सतलुज नदी तंत्र से जोड़ा जा सके। सिंधु नदी के पानी को अन्य नदियों और नहरों से जोड़ने के लिए योजना के तहत करीब 13 किलोमीटर की टनल भी बनेगी। मोदी सरकार की योजना सिंधु जल को राजस्थान के श्रीगंगानगर से जोड़ने की है और इस तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे इन क्षेत्रों में जल की उपलब्धता बढ़ेगी और सिंचाई तथा बिजली उत्पादन में भी मदद मिलेगी।

सिंधु जल को श्रीगंगानगर से जोड़ने की योजना

मोदी सरकार की योजना पानी जम्मू-कश्मीर से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान तक ले जाने की है। सरकार की योजना सिंधु जल को श्रीगंगानगर से जोड़ने की है और तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की मौजूदा 13 नहर व्यवस्थाओं को जोड़ा जाएगा।

इससे न केवल इन क्षेत्रों में जल की उपलब्धता बढ़ जाएगी बल्कि भारत सरप्लस पानी का इस्तेमाल भी अपने लिए कर सकता है। साथ ही सिंचाई और बिजली उत्पादन में भी बड़ी मदद मिलेगी। मोदी सरकार के वरिष्ठ मंत्री उन सभी इलाकों में लोगों से संपर्क करने वाले हैं, जिन्हें भविष्य में इस पानी का फायदा मिलने वाला है और बताएंगे कि मोदी सरकार के इस फैसले से उन्हें आने वाले सालों में पानी की कमी नहीं होगी। इसके लिए पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलेगा।

भाजपा देश का संविधान बदलना चाहती है: कन्हैया कुमार

पटना। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने पटना में वक्फ कानून के विरोध में आयोजित की गई रैली को लेकर कहा कि यह प्रदर्शन हर उस नागरिक का है जो देश के संविधान पर विश्वास रखता है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान कन्हैया कुमार ने भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के संविधान को बदलना चाह रही है। इसी कड़ी में वक्फ कानून लाया गया है। यह कानून देखने में भले लग रहा हो, यह एक समुदाय का मामला है, लेकिन सही में यह मामला देश के सभी नागरिकों का मामला है। यही कारण है कि कांग्रेस वक्फ कानून का विरोध संसद से लेकर सड़क तक कर रही है। इस मामले को लेकर आगे भी जो संघर्ष होगा, इसमें पार्टी पूरी मुस्तैदी के साथ रहेगी। इधर, चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण को लेकर कन्हैया कुमार ने कहा कि पहले आयोग यह मान ही नहीं रही थी कि कोई गड़बड़ी भी है। चुनाव आयोग इससे इंकार करता रहा है, लेकिन अब तो यह स्वीकार कर लिया कि गड़बड़ी है। गड़बड़ी के भी दो पहलू हैं। पहला पहलू है कि जो भाजपा समर्थक वोटर है, उनका नाम जोड़ा जाता है और जो भाजपा विरोधी मतदाता है, उनका नाम हटाया जाता है।

3 जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा, यात्रियों की सुरक्षा के लिए बनाई चौकियां

-तीर्थयात्रियों की जांच व सम्मानजनक व्यवहार के बीच संतुलन बनाने के निर्देश

जम्मू (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियां चल रही हैं। सुरक्षा बल और प्रशासन तीर्थयात्रा से पहले निरीक्षण और मॉक ड्रिल कर रहे हैं। यह यात्रा 3 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के बालटाल और पहलगाम से शुरू होगी। ऑनलाइन स्लॉट से चूकने वाले श्रद्धालुओं के लिए पंजीकरण जम्मू के विशेष केंद्रों पर शुरू हो गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं।

जम्मू के बेस कैंप यात्री निवास में रसद और प्रतिक्रिया प्रणालियों का परीक्षण करने के लिए बसों को पूरी सुरक्षा के साथ भेजा गया है। तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को 2 जुलाई को औपचारिक रूप से जम्मू से रवाना किया जाएगा। तीर्थयात्रा से पहले सुरक्षा बलों और नागरिक प्रशासन की सुरक्षा और तैयारी सुनिश्चित की जा रही है। सुरक्षा इकाइयों की तत्परता और समन्वय का परीक्षण करने के लिए अभ्यास के दौरान बसों को पूर्ण सुरक्षा कवर के तहत भेजा गया। इस अभ्यास में भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं जैसी आपातकालीन परिदृश्यों का अनुकरण किया गया, जिसमें फंसे हुए तीर्थयात्रियों के लिए त्वरित प्रतिक्रिया, निकासी और चिकित्सा सहायता पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस सिमुलेशन में फंसे हुए वाहनों को बचाना, घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान करना और आपदा प्रतिक्रिया और सुरक्षा टीमों द्वारा एकीकृत प्रक्रियाओं के माध्यम से त्वरित राहत का समन्वय करना शामिल था।

हाल ही में सुरक्षा संबंधी धमकियों के बावजूद श्रद्धालुओं का जोश कम नहीं है। एक तीर्थयात्री ने कहा कि मुझे अमरनाथ पर भरोसा है। आतंकवादी कुछ भी करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। मैं लोगों से जम्मू-कश्मीर आने और यह दिखाने का आग्रह करता हूं कि हम डरे हुए नहीं हैं। जम्मू पुलिस ने 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और किसी भी साजिश को नाकाम करने के लिए जांच चौकियां बनाई हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर जम्मू पुलिस ने जिले भर में रणनीतिक रूप से अहम कई स्थानों पर संयुक्त जांच चौकी स्थापित करके सुरक्षा व्यवस्था को काफी मजबूत कर दिया है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रा को निर्बाध और सुरक्षित बनाने के लिए अर्धसैनिक बलों के साथ समन्वय में जांच चौकी स्थापित की गई हैं। ये चौकियां राष्ट्रीय राजमार्ग, जम्मू के आसपास और भगवती नगर आधार शिविर की ओर जाने वाले मार्गों सहित संवेदनशील और अत्यधिक व्यस्त आवाजाही वाले क्षेत्रों में 24 घंटे चालू होंगी। प्रवक्ता ने बताया कि सतर्कता और लोगों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जांच चौकियों की निगरानी कर रहे हैं।

अखिलेश ने बिना नाम लिए धीरेंद्र शास्त्री पर बोला हमला, करोड़ों में कथा सुनाते हैं और अंडर टेबल भारी भरकम रकम लेते

इटावा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में कथावाचकों के साथ कथित रूप से जातिगत हमले की घटना ने सूबे का राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने इस मुद्दे पर योगी सरकार को घेरकर प्रसिद्ध कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर भी तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'कथावाचक करोड़ों में कथा सुनाते हैं और अंडर टेबल भारी भरकम रकम लेते हैं।'

अखिलेश ने कहा कि धर्म को धंधा बना दिया गया है। एक व्यक्ति 50 लाख रुपये लेता है कथा के लिए। क्या किसी सामान्य व्यक्ति की इतनी हैसियत है कि वह बाबा को बुला सके?' उन्होंने सीधे-सीधे पं. धीरेंद्र शास्त्री का नाम लिए बिना उन्हें कटघरे में खड़ा किया। अखिलेश ने सवाल किया कि 'आप खुद पता करिए, वे पैसे लेते हैं या नहीं, और उनकी कथा की कीमत क्या होती है?'

सपा प्रमुख ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि कुछ वर्ग कथा क्षेत्र पर वर्चस्व बनाए रखना चाहते हैं। जो कथा कहने को व्यवसाय बना बैठे हैं, वहीं पिछड़े-दलितों को इसमें आने से रोकते हैं। हालांकि धीरेंद्र शास्त्री ने सीधे अखिलेश यादव के आरोपों पर अब तक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन इटावा घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कथा किसी जाति की बपौती नहीं है। अगर किसी ने कानून तोड़ा है, तब उसे सजा कानून देगा, न कि भीड़। उन्होंने राजनीतिक नेताओं से अपील की कि 'धार्मिक मामलों को राजनीति का रंग न दिया जाए।' वहीं अखिलेश और धीरेंद्र शास्त्री समर्थकों के बीच सोशल मीडिया पर अब वार सिरे से बहस छिड़ गई है। जहां एक पक्ष बाबा पर कथावाचन को लेकर 'धंधा' चलाने का आरोप लगा रहा है, वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि 'धर्म प्रचारक पर राजनीति के लिए हमला हो रहा है।'

कमजोर हो रहा ममता का पार्टी पर नियंत्रण, बनर्जी और महुआ के बयान कर रहे इशारा

-सांसद कल्याण ने आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में लॉ कॉलेज में गैंगरेप की घटना से ममता सरकार को खासी किरकिरी हो रही है। वहीं, अब इस मामले में ममता की पार्टी के नेता आपस में ही भिड़े हुए हैं। टीएमसी के कुछ नेता पार्टी लाइन अलग बयान दे रहे हैं। वहीं, कुछ नेताओं ने पूरे मामले में दूरी बनाए रखी है। इससे संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। जहां पार्टी विधायक मदन मित्रा और सांसद कल्याण बनर्जी पार्टी के बयान पर ही सवाल उठे हैं। वहीं, महिला सांसद महुआ मोइत्रा ने इस पूरे प्रकरण में आग में घी डाल दिया। महुआ ने बेतुका बयान देने के लिए कल्याण और मित्रा को निशाने पर ले लिया। इसके बाद कल्याण ने महुआ को घर तोड़ने वाली तक कह डाला।

बता दें कि तृणमूल कांग्रेस ने विधायक मित्रा को उनके विवादास्पद बयान के लिए कारण बताओ नोटिस दिया है। टीएमसी ने विधायक मित्रा को नोटिस देकर कहा है कि वह तीन दिनों के अंदर जवाब दें। वहीं, टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी भी पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खड़े नजर आए। कल्याण बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वह टीएमसी द्वारा जारी बयान से पूरी तरह से असहमत हैं।

बनर्जी ने लिखा कि क्या पार्टी अपराधियों को समर्थन देने वाले नेताओं का बचाव कर रही है? उन्होंने लिखा कि केवल बयान जारी करने से कुछ नहीं होगा। पार्टी को जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। इस बीच महुआ मोइत्रा का बयान आया कि टीएमसी महिला विरोधियों को बख्शती नहीं है। इस बयान पर सांसद बनर्जी इस कदर भड़के उठे कि उन्होंने महुआ पर निजी टिप्पणियां तक कर डालीं।

वहीं, पूरे मामले को लेकर भाजपा ममता सरकार पर हमलावर है। बंगाल में भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को रेप की घटना के विरोध में पुलिस ने गिरफ्तार किया। बीजेपी नेता मजूमदार ने कहा कि टीएमसी छात्र यूनियन के नेता कॉलेज में एडमिशन लेने आने वाली छात्राओं का गलत फायदा उठाते हैं। उन्होंने कहा कि एक प्रोफेसर के तौर पर मैं यह भली-भांति जानता हूं। इस दौरान सीपीआई-एम के कार्यकर्ता, सांसद, सीपीआई-एम समर्थक, कांग्रेस और भाजपा ने शहर भर में रैलियां निकालीं। इन लोगों ने न्याय के लिए आवाज उठाई।

चुकंदर से बनाएं फेशियल से मिलेगी ग्लास स्किन, 10 मिनट में मिलेगा पार्लर जैसा निखार

अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। आज हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

आज के समय में हर महिला ग्लास स्किन पाना चाहती है। ऐसी स्किन जो इतनी साफ और निखरी हो कि शीशे की तरह चमके। इस तरह का निखार पाने के लिए महिलाएं अक्सर महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन आप किचन में मौजूद एक चीज से अच्छे रिजल्ट पा सकती हैं। वो भी सिर्फ 20 रुपए में। बता दें कि चुकंदर सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी अच्छा माना जाता है। चुकंदर में एंटी ऑक्सीडेंट, विटामिन सी और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। जो स्किन को गहराई से पोषण देने का काम करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

फेस क्लींजिंग

फेशियल का सबसे पहला और जरूरी स्टेप स्किन की गहराई से सफाई करना है। इससे स्किन की धूल-मिट्टी और ऑयल को दूर किया जा सकता है। वहीं चुकंदर का रस नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है। जोकि स्किन के पोर्स साफ करता है और विटामिन देता है। गुलाब जल स्किन को शांत करने के साथ ही नमी देने का काम करता है और स्किन के पीएच बैलेंस को बनाए रखता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस– 2 चम्मच
गुलाब जल–2 चम्मच

विधि

चुकंदर के रस में गुलाबजल मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद कॉटन को भिगोकर फेस और गर्दन को अच्छे से साफ कर लें।

ऐसा करने से सारी गंदगी साफ हो जाएगी और ऑयल भी साफ होगा। इससे आपकी त्वचा तरोताजा लगेगी।

फेस स्क्रब

बता दें कि क्लींजिंग के बाद स्किन को एक्सफोलिएट करना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि डेड स्किन सेल्स हट जाएं और आपकी स्किन खुलकर सांस ले सके। इससे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या दूर होती है। वहीं कॉफी नेचुरल एक्सफोलिएट है, जोकि डेड स्किन को हटाने, स्किन को स्मूथ बनाने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करता है। चुकंदर का रस स्किन को पोषण और ग्लो देने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस– 2 चम्मच
कॉफी पाउडर– 2 चुटकी

विधि

चुकंदर के जूस में कॉफी पाउडर मिलाकर इसको अच्छे से मिक्स करके दरदरा पेस्ट बनाएं।

अब इस स्क्रब को फेस और गर्दन पर लगाएं और उंगलियों में पोरों से हल्के हाथों से फेस पर 2-3 मिनट के लिए मसाज करें।

कुछ देर मसाज करने के बाद फेस को गुनगुने पानी से धो लें।

इससे आपका चेहरा पहले से ज्यादा साफ और चमकदार नजर आएगा।

स्किन लाइटिंग जेल

स्क्रबिंग के बाद स्किन को शांत करने और नमी देना जरूरी होता है। स्किन लाइटनिंग जेल आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ चमकदार बनाने का काम करता है। एलोवेरा जेल हाइड्रेटिंग, सूदिंग और हीलिंग गुणों के लिए जाना जाता है। एलोवेरा स्किन की जलन को कम करता है, नमी को लॉक करता है और स्किन को सॉफ्ट बनाता है। एलोवेरा को चुकंदर के साथ मिलाकर लगाने से स्किन की रंगत में सुधार होता है और ग्लो आता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस– 2 चम्मच
एलोवेरा जेल– 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले चुकंदर के रस में एलोवेरा जूस को अच्छे से मिक्स करें।

अब फेस को साफ करके 5 मिनट मसाज करें।

इसके बाद चेहरे को धो लें।

फेस पैक

फेशियल का लास्ट स्टेप फेस पैक होता है, जो आपकी स्किन को टाइट करने का काम करता है। स्किन को पोषण देता है और परमानेंट ग्लो देता है। इस फेस पैक में मौजूद बेसन आपकी स्किन की गहराई से सफाई करता है और एक्स्ट्रा ऑयल को सोखता है और स्किन की रंगत को निखारने का काम करता है। वहीं गेहूं का आटा स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ टैनिंग को रिमूव करने में भी मदद करता है। साथ ही चुकंदर का रस इस फेस पैक को एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर बनाने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस– 2 चम्मच
आटा– 1 चम्मच
बेसन– 1 चम्मच

विधि

सबसे पहले बेसन में आटा और चुकंदर का जूस मिलाकर फेस पैक बनाएं।

अब इसको लाइटनिंग फेस पैक को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

फिर 20 मिनट बाद फेस वॉश कर लें।

चुकंदर फेशियल के सभी स्टेप्स को पूरा करने के बाद आप पाएंगे कि आपकी स्किन में पॉजिटिव बदलाव आए हैं। इससे न सिर्फ आपकी स्किन साफ और तरोताजा बनेगी, बल्कि सॉफ्ट और शाइनी बन जाएगी। ठीक वैसे जैसे ग्लास स्किन होती है। इस फेशियल को सप्ताह में एक बार इस्तेमाल करने से आपकी स्किन की रंगत में सुधार होता है, स्पॉट्स आदि कम होते हैं और बिना किसी खर्चे के आपको शीशे जैसी चमकती स्किन मिलेगी।

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती हैं। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खाना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इसे उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

घर पर बना रहे हैं पंजाबी दाल तड़का, ये टिप्स आएंगे आपके बेहद काम

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

जब कुछ हल्का लेकिन टेस्टी खाने का मन होता है तो हम अक्सर दाल खाना पसंद करते हैं। अमूमन दाल को घर-घर में अलग तरीकों से बनाया जाता है। लेकिन अगर आपको चटपटा खाना पसंद आता है तो ऐसे में आप पंजाबी दाल तड़का बनाकर उसका स्वाद चख सकते हैं। पंजाबी दाल तड़का में लहसुन की खुशबू और ऊपर से लगाया हुआ तड़का आपको स्वाद की एक अलग दुनिया में लेकर आता है। आप दाल तड़का को चावल के साथ या फिर तंदूरी रोटी के साथ खा सकते हैं।

लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि हर बार दाल वैसी नहीं बनती। कभी ज्यादा पानीदार हो जाती है तो कभी इसका स्वाद उतना अच्छा नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पंजाबी दाल तड़का बनाते हुए कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करें। इन टिप्स की मदद से आपकी दाल एकदम रेस्टोरेंट स्टाइल बनती है और हर किसी को वह खाने में बेहद ही अच्छी लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पंजाबी दाल तड़का बनाते समय फॉलो किए जाने वाले कुछ आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

अलग-अलग दालों का करें इस्तेमाल

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

दाल को आधे घंटे भिगोएं

दाल को कभी भी सीधे ही उबालने के लिए नहीं रखना चाहिए। इसकी जगह आप इसे कम से कम 30 मिनट भिगो कर रखें। इससे दाल जल्दी पकती है, बराबर पकती है और पाचन भी आसान होता है। ये रेस्टोरेंट वाली स्मूथ दाल की टेक्सचर का राज है।

दाल को अच्छी तरह पकाएं

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह पूरी तरह नरम होनी चाहिए, दानेदार नहीं। इसके लिए दाल में कम से कम 3-4 सीटी लगाओ, फिर अच्छी तरह मैश करो। मैश करने से दाल चिकनी और क्रीमी बनती है, जो रोटी या चावल के साथ खाने में काफी अच्छी लगती है।

तड़के का रखें ख्याल

पंजाबी दाल तड़का का असली स्वाद उसके तड़के में छिपा होता है, इसलिए आप उसके साथ किसी तरह का समझौता ना करें। तड़के के लिए देसी घी का इस्तेमाल करें। सबसे पहले उसे अच्छे से गरम करो, फिर जीरा, हींग, लहसुन और प्याज डालो। गरम घी में जीरा और लहसुन का पूरा स्वाद आता है और उसकी खुशबू निकलती है। अब आप इसे ठंडे घी में डालेंगे तो वो क्रैकलिंग नहीं करेगा और फ्लेवर भी नहीं आएगा।

दूसरे टेस्ट में विराट कोहली को पछाड़ सकते हैं ऋषभ पंत, एक शतक की है जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक और शतक लगाकर बड़ी उपलब्धि हासिल करने की कोशिश करेंगे। अगर पंत दूसरे टेस्ट में शतक लगाते हैं तो वह कोहली को पछाड़कर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में किसी भारतीय द्वारा मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

वर्तमान में पंत और कोहली दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में पांच शतक लगाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतकों के मामले में राहुल द्रविड़ (21 मैच) और महान सचिन तेंदुलकर (32 मैच) शीर्ष पर हैं जिन्होंने 7-7 शतक लगाए हैं। उनके बाद अजहरुद्दीन (15 मैचों में 6 शतक) का नम्बर आता है जबकि तीसरे स्थान पर हैं। चौथे नम्बर पर पंत (13 मैचों में 5 शतक) और पांचवें नम्बर पर कोहली (28 मैचों में 5 शतक) आते हैं।

गौर हो कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान अपने आक्रामक अंदाज में दिखे और दोनों इनिंग्स में शतक लगाने वाले भारत के पहले विकेटकीपर बल्लेबाज बने। उनकी बल्लेबाजी ने इंग्लिश गेंदबाजों को काफी परेशान किया क्योंकि वे उनके सामने पूरी तरह से बेबस नजर आए। पंत के दो शानदार शतकों के बावजूद भारत हार गया क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने 371 रनों के लक्ष्य को आसानी से पांच विकेट रहते हासिल कर लिया। पांच मैचों की सीरीज में 0-1 से पिछड़ रहे शुभमन गिल और उनकी टीम बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट के लिए तैयार है।

छह साल के तेगबीर सिंह ने बनाया विश्व रिकार्ड, यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी फतह की

रूपनगर (एजेंसी)। पंजाब में रूपनगर शहर के रहने वाले तेगबीर सिंह ने रूस में स्थित माउंट एल्ब्रस पर 18510 फुट (5642 मीटर) से अधिक की ऊंची चोटी फतह करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। तेगबीर ने 20 जून को माउंट एल्ब्रस की चढ़ाई के लिए यात्रा शुरू की और 28 जून को चोटी फतह कर ली थी। इसी के साथ छह साल और नौ महीने के तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही बन गया है।

उल्लेखनीय है कि माउंट एल्ब्रस कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्र हैं और यहां का सामान्य तापमान -10 डिग्री सेल्सियस तक रहता है तथा चढ़ाई के दौरान कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। रूस के फर्स्टअलपाइन, रीक स्पोर्ट्सलिस्ट और स्पोर्ट्स टूरिज्म फेडरेशन ऑफ काबर्डिनो बाल्केरियन रिपब्लिक ने माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले तेगबीर को पर्वतारोहण प्रमाणपत्र जारी किया।

प्रमाणपत्र में लिखा है कि यह प्रमाणित किया जाता है कि भारत के 6 साल 9 महीने और 4 दिन की उम्र में तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस पर चढ़ने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही हैं। इसी के साथ तेगबीर ने पिछले साल महज पांच साल और नौ महीने की उम्र में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले ज्वाय कृष्णा (महाराष्ट्र, भारत के मूल निवासी) के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2024 में वह माउंट किलिमंजारो (अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी) पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के एशियाई बन गए थे और उनका नाम एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। वह अप्रैल 2024 में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप (नेपाल) भी पहुंचे थे। चोटी फतह करने वाले तेगबीर सिंह ने कहा, 'मुझे पता था कि मुझे कहां पहुंचना है और आखिरकार मैं पहुंच गया और वहां अपने पिता के साथ एक तस्वीर खिंचवाई। तेगबीर ने कहा मैं पहली बार बर्फ पर चल रहा था, मेरे जूते भारी थे, लेकिन मैंने इसका अभ्यास किया था।'

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा की, आर्चर टीम में नहीं

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए सोमवार 30 जून को अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा की, जो बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन में शुरू होगा। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में बढ़त बनाई थी।

बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम में दूसरे मैच के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उंगली की चोट से उबरने के बाद इंग्लैंड की टीम में शामिल किए गए तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को शुरुआती प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया है। आर्चर पारिवारिक में इमरजेंसी के कारण एजबेस्टन में सोमवार के अभ्यास सत्र का हिस्सा नहीं बन पाए। वहीं जोश टंग, ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

दूसरी तरफ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे मैच के लिए आराम दिए जाने की उम्मीद है जिससे भारत की लाइनअप में बदलाव देखने को मिल सकता है। बुमराह के अलावा भारतीय टीम में स्पिनर कुलदीप यादव को भी शामिल करने की बात सामने आ रही है जो लंदन में प्रभावी साबित हो सकते हैं।

इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल ने भारत की सबसे बड़ी कमी पर जताई चिंता

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को गेंदबाजी आक्रमण में विविधता के अभाव का खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने कुलदीप यादव को शेन वॉर्न के बाद सर्वश्रेष्ठ कलाई का स्पिनर करार देते हुए उन्हें और अर्शदीप सिंह को टीम में शामिल करने की सलाह दी। भारत को पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड ने पांच विकेट से हराया।

भारतीय टीम ने पहले टेस्ट में आठ कैच टपकाए। चैपल ने अपने कॉलम में लिखा, 'हेडिंग्ले में फील्डिंग बहुत निराशाजनक थी लेकिन हार का यह अहम कारण नहीं था। भारत ने अपनी परेशानियां खुद खड़ी की थी। सबसे बड़ी कमी तो पहले से तय थी जिससे दूसरी पारी की शुरुआत में ही हैरी ब्रूक को जीवनदान मिला।'

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के सामने समस्या यह थी कि उनके दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर लगभग एक से ही थे। उन्होंने कहा, 'भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में विविधता का अभाव था। जसप्रीत बुमराह की ही गेंदबाजी अलग तेज गेंदबाज एक जैसे ही थे। गेंदबाजी में बदलाव के दूसरे छोर विकेट गिरने का कारण यह होता है कि बल्लेबाज को ढलने में समय लगता है। लेकिन भारतीय टीम के पास यह विकल्प नहीं था।'

भारत के पूर्व कोच ने कहा, 'बुमराह की मौजूदगी में अर्शदीप सिंह को टीम में जगह मिलनी चाहिए। इसके साथ ही कुलदीप यादव को भी उतारना चाहिए जो शेन वॉर्न के बाद कलाई का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है।'

भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीत के एक साल पूरा होने पर केक काटकर जश्न मनाया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2024 को जीत के एक साल पूरे होने पर रविवार को यहां एक पार्टी आयोजित की। इसमें केक काटकर जश्न मनाया गया। इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने मजाकिया अंदाज में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की खिंचाई करने का प्रयास किया पर उन्हें करारा जवाब मिला। जडेजा ने कहा कि वह अभी एक फॉर्मेट से रिटायर हुए हैं। टी20 विश्व कप जीतने के बाद जडेजा ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

बीसीसीआई ने इस पार्टी का वीडियो भी सोशल मीडिया में जारी किया है। वीडियो में देखने को मिल रहा है कि पहले कोई भी खिलाड़ी केक काटने के लिए आगे नहीं बढ़ रहा था। तभी अर्शदीप सिंह आगे बढ़े तो कहा गया कि बुमराह प्लेयर ऑफ द सीरीज थे, तो ऐसे में अर्शदीप की जगह बुमराह ने केक काटा। इसके बाद सभी खिलाड़ी एक दूसरे को केक खिलाने लगे। वीडियो में बुमराह और ऋषभ ने जडेजा को 'हैप्पी रिटायरमेंट' कहकर केक खिलाया। इस पर जडेजा सफाई देते नजर आ रहे हैं उन्होंने अभी केवल एक ही प्रारूप से संन्यास लिया है।

आईसीसी ने इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पर जुर्माना लगाया

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पर भारत के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया है। इस प्रकार इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम को दोहरा झटका लगा है। इस मैच में उसे भारतीय टीम ने 97 रनों से हराया था। वहीं अब उसपर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगा है। आईसीसी के अनुसार इंग्लैंड की टीम तय समय में पूरे 20 ओवर नहीं फेंक पाई थी। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय पैनल की मैच रेफरी हेलेन पैक ने इंग्लैंड टीम पर यह जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी ने इसी को लेकर कहा, खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के न्यूनतम ओवर-रेट संबंधी नियम के तहत हो खिलाड़ियों पर तय समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इस मामले में इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट ने सुनवाई नहीं सजा को स्वीकार कर लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं पड़ी। आरोप फील्ड अंपायर अन्ना हैरिस, तीसरे अंपायर सू रेडफर्न और चौथे अंपायर जेम्स मिडलब्रुक और जैकलीन विलियम्स ने लगाए थे।

शमी होते तो बुमराह को मिलता एक अनुभवी जोड़ीदार !

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में आराम दिया जाएगा। ऐसे में टीम को अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी की याद आई है। शमी को इस सीरीज के लिए इसलिए जगह नहीं मिली क्योंकि वह पूरी तरह से फिट नहीं थी। इससे पहले आईपीएल में उनका प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। ऐसे में उन्हें टीम में शामिल न करने के लिए प्रबंधन को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि आईपीएल 2025 में वह नौ मैचों में 56 की औसत से केवल छह विकेट ले पाये थे। वहीं इसके बाद भी शमी को खारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने 5 मैचों में 25 की औसत से 9 विकेट लिए। इंग्लैंड दौरे पर 34 वर्षीय तेज गेंदबाज शमी को ना चुने जाने से उनके टेस्ट करियर के समाप्त होने की भी आशंका लगायी गयी पर ये सही नहीं है। अभी भी शमी बुमराह के लिए एक अच्छे सहयोगी हैं। आज जबकि बुमराह केवल तीन टेस्ट खेल सकते हैं तो सभी को शमी की याद आ रही है। ये भी कहा जा रहा है कि शमी को कम से कम दो टेस्ट के लिए तो शामिल किया जा सकता था। वह भी उनका मैचों में जिनमें बुमराह नहीं होते। शमी ने इंग्लैंड में 14 मैचों में 42 विकेट लिए हैं और वह टीम की ओर से अहम भूमिका निभा सकते थे। शमी के नहीं होने से टीम इंडिया अभी तक बुमराह के लिए सही जोड़ीदार तलाशने में असफल रही है। युवा मोहम्मद सिराज फॉर्म में नहीं है। वहीं आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा भी अनुभवी नहीं है।

एशिया कप भारत में, पाकिस्तान को नहीं मिलेगी देश में एंट्री !, हॉकी इंडिया के अधिकारी का बयान आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में हॉकी पुरुष एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता के बीच हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में सरकार के साथ बातचीत जारी है और उसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। बिहार का ऐतिहासिक शहर राजगीर 29 अगस्त से 9 सितंबर तक राजगीर हॉकी स्टेडियम में पुरुष एशिया कप 2025 की मेजबानी करेगा।

पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले में 26 लोगों की जान जाने के बाद पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम की महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भागीदारी खतरे में है। टूर्नामेंट में दो महीने से भी कम समय बचा है और हॉकी इंडिया अभी भी पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम के देश में आने के लिए सरकारी मंजूरी का इंतजार कर रहा है। हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने अगस्त में एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'हम सरकार के संपर्क में हैं और हम उनके निर्देशों का पालन करेंगे। मौजूदा स्थिति के अनुसार मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान टीम को भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।'

पुरुषों का एशिया कप 2025-2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में काम करेगा, जिसकी मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड करेंगे। टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप में एक प्रतिष्ठित स्थान अर्जित करेगा।

इसके अलावा भारत एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की भी मेजबानी करेगा, जो 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को बाहर करने की मांग के कारण भारत में जूनियर इवेंट में पाकिस्तान की भागीदारी भी संदेह में है। उसे विश्वस्तरीय 24-टीम टूर्नामेंट में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के साथ रखा गया था। पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम ने आखिरी बार 2023 में भारत का दौरा किया था, जब भारत ने चेन्नई, तमिलनाडु में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने फाइनल में मलेशिया को 4-3 से हराकर रिकॉर्ड चौथा खिताब जीता था।

आयुष ने यूएस ओपन सुपर 300 के साथ बीडब्ल्यूएफ टूर पर जीता पहला खिताब, तन्वी उप-विजेता रही

आयोवा (अमेरिका)। उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। आयुष की इस जीत ने मौजूदा सत्र में विश्व टूर पर भारत के खिताबी सूखे को खत्म किया। विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2023) कांस्य पदक विजेता 20 साल के आयुष ने रविवार को तीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-13 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने एक शानदार सप्ताह का समापन किया जिसमें सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एक यादगार जीत भी शामिल है। यांग के खिलाफ यह आयुष की यह तीसरी जीत है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में मलेशिया और ताइपे ओपन में भी कनाडा के इस खिलाड़ी को दो बार हराया था। महिला एकल के फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा अधिक सफल रहीं। उन्हें शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। विश्व टूर स्तर के अपने पहले फाइनल में खेल रही गैर-वरीयता प्राप्त इस किशोर खिलाड़ी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

अजहर महमूद पाकिस्तान टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बने

लाहौर। पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच बनाये गये हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अजहर के नाम की घोषणा कर दी है पर कहा है कि वह शुरुआत में कार्यवाहक मुख्य कोच रहेंगे। अजहर पिछले काफी समय से पुरुष क्रिकेट टीम के गेंदबाजी और असिस्टेंट कोच रहे हैं। वह अपने मौजूदा अनुबंध के समाप्त होने तक इस पद पर काम करेंगे। पिछले दो साल में पीसीबी ने कई मुख्य कोच बदले हैं, ऐसे में महमूद कब तक टिक पायेंगे ये देखना होगा। पीसीबी को भरोसा है कि अजहर कोच को खिलाड़ी और कोच के रूप में काफी अनुभव है, इसलिए वह इस भूमिका में सफल रहेंगे। पीसीबी ने कहा, एक अनुभवी क्रिकेट खिलाड़ी अजहर अब कोच के तौर पर आ रहे हैं। टीम के सहायक कोच के रूप में लंबे समय से रहने के कारण वह टीम के रणनीतिक कोर समूह का एक अहम हिस्सा रहे हैं। खेल के बारे में उनकी जानकारी काफी अच्छी है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ सीबीगिलस काउंटी सर्किट में मिली सफलता उन्हें इस पद के लिए सबसे अधिक उपयुक्त बनाती है। महमूद की कोच के तौर पर पहली परीक्षा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के तहत दक्षिण अफ्रीका की धरती पर होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ शुरू होगी। ये सीरीज इस साल के अंत में खेली जाएगी।

विश्व एथलेक्स चैम्पियनशिप में हो सकता है नीरज और अरशद का मुकाबला

नई दिल्ली। भारत के स्टार एथलीट भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में उतरेंगे। यहां इनका मुकाबला पाकिस्तान के अरशद नदीम से हो सकता है। अरशद भी यहां भाग लेने वाले हैं। नीरज आजकल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने के बाद पेरिस डायमंड लीग में जीत दर्ज की। साथ ही ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक इवेंट भी वह पहले नंबर पर रहे हालांकि, पेरिस और ओस्ट्रावा में वह 90 मीटर की दूरी तय नहीं कर पाए। अब नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता में खेलते हुए दिखेंगे। नीरज दोहा में और फिर ओस्ट्रेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं पेरिस और ओस्ट्रावा में पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, इन चारों टूर्नामेंट में पाकिस्तान के नदीम नहीं थे। नदीम ने इस सत्र में ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है वह फिलहाल पाकिस्तान में ट्रेनिंग में ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने पिछले एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लिया था जिसमें नीरज नहीं खेले थे। नदीम ने वहां 86.40 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। नदीम ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पर है। उन्होंने लाहौर में एक कार्यक्रम में कहा कि मेरा ध्यान विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप पर है और मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। वह जल्द ही अभ्यास के लिए इंग्लैंड जा रहे हैं जहां एक माह अभ्यास करेंगे।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का नाम बदलने से नाराज हैं पूर्व क्रिकेटर फारुख इंजीनियर

बर्मिंघम (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर फारुख इंजीनियर ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का नाम बदले जाने पर नाराजगी जताया है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि ये फैसला प्रशंसकों को खुश करने के लिए किया गया। ईसीबी ने साल 2007 में भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का नाम पटौदी ट्रॉफी रखा था पर इस बार इसका नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया। इस फैसले को दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी सही नहीं माना था। इंजीनियर भी नाम बदलने से सहमत नहीं है हालांकि उन्होंने माना है कि सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन की उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाये जा सकते हैं। इंजीनियर ने कहा, 'टाइगर पटौदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। मेरे बहुत अच्छे सहयोगी थे। हमने काफी टेस्ट मैच साथ में खेले। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब हुई जब 2007 में ट्रॉफी का नाम उनके नाम पर रखा गया।

उन्होंने कहा, 'एक ओर जहां मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि पटौदी का नाम हटा दिया गया। मैं चाहता हूं कि टाइगर का नाम इस ट्रॉफी से जुड़ा रहता लेकिन इसके बजाय सचिन और एंडरसन के नाम पर इस ट्रॉफी का नाम रखने का फैसला किया गया जो खेल के दिग्गज हैं। इंजीनियर ने कहा, 'इसमें पटौदी पदक की शुरुआत एक अच्छा कदम है। उन्हें इसकी घोषणा शुरू में ही कर देनी चाहिए थी, इससे अधिक विश्वसनीयता होती, लेकिन कम से कम उन्होंने कुछ तो किया। उम्मीद है कि पटौदी पदक के जरिये से नाम इससे हमेशा जुड़ा रहेगा।

पटौदी परिवार का भारत-इंग्लैंड क्रिकेट से गहरा नाता रहा है। इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर दोनों ने भारत की कप्तानी की थी। इन दोनों ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेला। वहीं दूसरी ओर तेंदुलकर टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि एंडरसन ने तेज गेंदबाज के रूप में पारंपरिक प्रारूप में सबसे अधिक विकेट लिए हैं। इंजीनियर ने कहा, 'तेंदुलकर और एंडरसन की उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इस कहानी के दो पहलू हैं। उन्होंने पदक का नाम पटौदी के नाम पर रखा है जो बहुत सोच-समझकर लिया गया फैसला है।' उन्होंने कहा, 'यह फैसला पटौदी के मुझे जैसे कई प्रशंसकों को खुश करने के लिए किया गया लेकिन आप उन्हें ट्रॉफी का नाम सचिन और एंडरसन के नाम पर रखने के लिए दोषी नहीं ठहरा सकते।'

सन ऑफ सरदार 2 का हिस्सा न होने पर सोनाक्षी सिन्हा ने दी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने 2012 की सुपरहिट फिल्म सन ऑफ सरदार में अजय देवगन के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। उन्होंने बात करते हुए सन ऑफ सरदार 2 में अपनी गैरमौजूदगी को लेकर प्रतिक्रिया दी। सोनाक्षी सिन्हा ने बताया कि फिल्म में कास्टिंग से जुड़े ऐसे फैसले इंडस्ट्री में आम बात है और इन पर ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं होती। सन ऑफ सरदार 2 में शामिल न होने पर उन्होंने कहा कि शायद फिल्म की कहानी अब किसी और दिशा में जा रही है और उसमें नए किरदार होंगे। उन्होंने कहा, मैं इस बदलाव को पूरी तरह समझती हूं और इसका सम्मान करती हूं। सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, मैं अब प्रोफेशनल तरीके से सोचती हूं। हम इतने सालों से इस इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो इन बातों को समझना आ गया है। यह बहुत छोटी सी बात है, कोई बड़ी बात नहीं है। इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता। साल 2012 में रिलीज हुई सन ऑफ सरदार में सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में थी। इसमें अजय देवगन ने जस्सी और संजय दत्त ने बिल्लू का किरदार निभाया था। इसमें एक्ट्रेस जूही चावला भी अहम किरदार में नजर आई थी। यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म साल 2010 की तेलुगु फिल्म मर्यादा रमन्ना की रीमेक थी।

सन ऑफ सरदार 2 में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की जोड़ी नजर आएगी। हाल ही में अजय देवगन ने सोशल मीडिया पर सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज डेट का ऐलान किया था। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह पगड़ी पहने नजर आए और लिखा, द रिटर्न ऑफ द सरदार अब 25 जुलाई को नजदीकी सिनेमाघरों में। सन ऑफ सरदार 2 की टक्कर बॉक्स ऑफिस पर सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म परम सुंदरी से होगी। मैडॉक फिल्म्स की परम सुंदरी 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह फिल्म एक ऐसे कपल की कहानी है, जो उत्तर और दक्षिण भारत से है। फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है और इसे दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है।

राणा नायडू सीजन 2 में बोल्ड और इंटिमेट सीन कहानी के लिए जरूरी

एक्ट्रेस अदिति शेट्टी ने राणा नायडू सीजन 2 में अपने बोल्ड और इंटिमेट सीन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि ये सीन कहानी और उनके किरदार को बेहतर तरीके से समझाने के लिए जरूरी थे। अदिति शेट्टी ने कहा कि नए सीजन में बहुत कम बोल्ड सीन हैं और जो भी सीन हैं, उन्हें बहुत सोच-समझकर फिल्माया गया है। ये सीन कहानी के लिए जरूरी थे और उनके किरदार को बेहतर तरीके से समझने में मदद करते हैं। अदिति ने कहा, सीजन 2 में वास्तव में बहुत कम बोल्ड सीन हैं और वे भी सावधानी से शूट किए गए हैं। ये सीन कहानी के लिए जरूरी थे और मेरे किरदार के सफर के लिए यह मायने रखते हैं। कुछ भी बेकार नहीं था, हमने जो भी किया, उसका उद्देश्य और गहराई थी। अदिति शेट्टी ने बताया कि उन्होंने राणा नायडू सीजन 2 में काम करने के लिए हां क्यों कहा।

उन्होंने कहा, इसके कई कारण थे। मैंने पहले भी मिर्जापुर में निर्देशकों के साथ काम किया था, और मैं पहले से ही राणा नायडू सीजन 1 की बड़ी फैन थी। जब मुझे इस किरदार के बारे में पता चला, तो मैं काफी उत्साहित हुई। मेरा किरदार बहुत दिलचस्प है और कहानी के लिए अहम है। मैं अपने किरदार से काफी प्रभावित हुई। साथ ही, सीन भी जबरदस्त थे। खासकर राणा सर के साथ मेरा फेस-ऑफ सीन शानदार था। इन कुछ चीजों के चलते मैंने हां की। अदिति ने बताया कि राणा नायडू सीजन 2 में उनका किरदार तसनीम उनकी असल जिंदगी से काफी अलग है।

उन्होंने कहा, तसनीम मेरी असली जिंदगी से बहुत अलग है। मैं मस्ती करने वाली और भावनाओं को खुलकर दिखाने वाली लड़की हूं, लेकिन तसनीम ज्यादा शांत और गंभीर है। एक बात सामान्य है कि हम दोनों में फिटनेस का शौक एक जैसा है। राणा नायडू सीजन 2 में वेंकटेश दग्गुबती, राणा दग्गुबती, अर्जुन रामपाल और कृति खरबंदा लीड रोल में हैं। यह शो नेटफ्लिक्स पर 13 जून को रिलीज हुआ था।

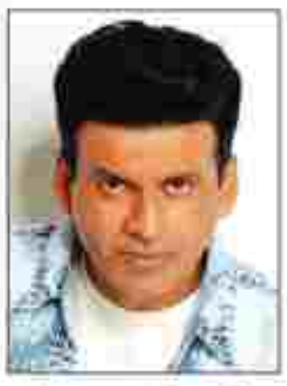

रश्मिका मंदाना बनीं मैसा, फिल्म के पोस्टर में दिखा गुस्से से दहलता विकराल रूप

पैन इंडिया की सबसे बड़ी हीरोइन रश्मिका मंदाना देशभर में जबरदस्त फैनबेस एन्जॉय करती हैं और फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं कि वो आगे क्या करने वाली हैं। गुरुवार रिलीज हुए दिलचस्प पोस्टर के बाद, रश्मिका मंदाना की अगली फिल्म मैसा से उनका लुक लॉन्च हुआ, जहां इंडस्ट्री के कई सितारों ने इस शुक्रवार सुबह उनका पोस्टर रिलीज किया। पुष्पा 2- द रूल के बाद रश्मिका एक और पैन इंडिया फिल्म मैसा के साथ तैयार हैं। अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनी मैसा एक ऐसी कहानी लग रही है जिसमें एक महिला योद्धा की हिम्मत और जज्बे को दिखाया गया है। फिल्म का पोस्टर वाकई अब तक कभी न देखा गया लुक देता है, जिसमें रश्मिका मंदाना के चेहरे का तेज और जज्बा साफ नजर आता है।

मैसा पर बोलीं रश्मिका

रश्मिका मंदाना इस प्रोजेक्ट को लेकर खुद भी काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। उन्होंने फिल्म का टाइटल और लुक अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए एक खास कैप्शन लिखा, मैं हमेशा आपको कुछ नया... कुछ अलग... कुछ रोमांचक देने की कोशिश करती हूं...और ये... ये वैसा ही एक प्रोजेक्ट है। एक ऐसा किरदार जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया... एक ऐसी दुनिया जहां मैं पहले कभी नहीं गई...और मेरा ऐसा रूप जिसे मैंने खुद भी अब तक नहीं देखा था...ये गुस्से से भरा है... बहुत दमदार है... और बिलकुल असली है। मैं थोड़ी घबराई हुई हूं लेकिन बहुत खुश भी हूं। मैं सच में इंतजार नहीं कर सकती कि आप सब देखें हम क्या बना रहे हैं...और ये तो बस शुरुआत है।

कैसी है फिल्म मैसा

ये फिल्म एक जबरदस्त इमोशनल एक्शन कहानी है, जो हमें गोंड जनजाति की दिलचस्प और अनदेखी दुनिया में लेकर जाती है। मैसा को लेकर बात करते हुए डायरेक्टर रविंद्र पुल्ले ने कहा, मैसा दो साल की मेहनत का नतीजा है। हम चाहते थे कि इस फिल्म की दुनिया, उसका लुक, किरदार और कहानी, हर एक चीज बिलकुल सही हो। और अब हम तैयार हैं ये कहानी दुनिया को सुनाने के लिए।

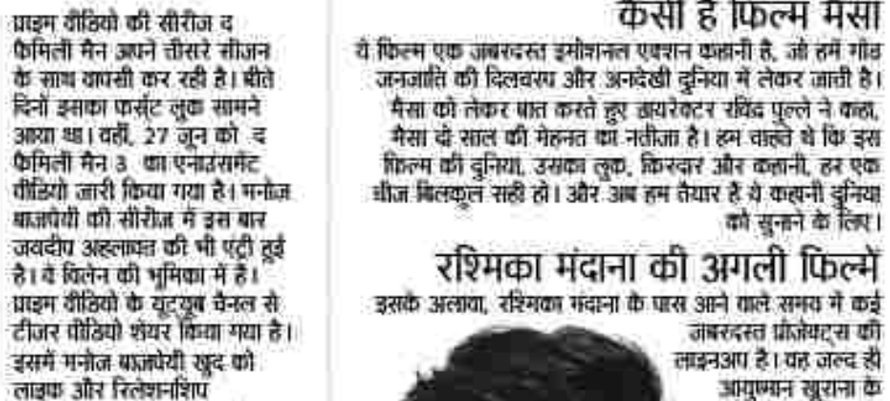

रश्मिका मंदाना की अगली फिल्में

इसके अलावा, रश्मिका मंदाना के पास आने वाले समय में कई जबरदस्त प्रोजेक्ट्स की लाइनअप है। वह जल्द ही आयुष्मान खुराना के साथ मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी थामा में नजर आएंगी। पुष्पा 3 में भी वह अपने आइकॉनिक किरदार श्रीवल्ली के रूप में लौटेंगी। इसके साथ ही द गर्लफ्रेंड और रेनबो जैसी फिल्मों में वह इमोशन से भरे और अलग-अलग तरह के किरदार निभा रही हैं।

द फैमिली मैन 3 में जयदीप अहलावत की एंट्री

प्राइम वीडियो की सीरीज द फैमिली मैन अपने तीसरे सीजन के साथ वापसी कर रही है। बीते दिनों इसका फर्स्ट लुक सामने आया था। वहीं, 27 जून को द फैमिली मैन 3 का एनाउंसमेंट वीडियो जारी किया गया है। मनोज बाजपेयी की सीरीज में इस बार जयदीप अहलावत की भी एंट्री हुई है। वे विलेन की भूमिका में हैं। प्राइम वीडियो के यूट्यूब चैनल से टीजर वीडियो शेयर किया गया है। इसमें मनोज बाजपेयी खुद को लाइफ और रिलेशनशिप काउंसलर बता रहे हैं। जयदीप अहलावत की झलक है। सीरीज के तीसरे भाग में जयदीप अहलावत की एंट्री से नेटिजन्स खुश हैं। मनोज और जयदीप, दोनों सितारों को एक साथ देख दर्शकों की दिलचस्पी सीरीज के प्रति और बढ़ गई है। नेटिजन्स कमेंट कर रहे हैं कि सरदार खान और शाहिद खान आमने-सामने होंगे। बता दें कि जयदीप और मनोज गैंग्स ऑफ वासेपुर में काम कर चुके हैं। हालांकि, इसमें दोनों का साथ में कोई सीन नहीं था। गैंग्स ऑफ वासेपुर में मनोज बाजपेयी को सरदार खान के रूप में देखा गया। वहीं, शाहिद खान के रूप में जयदीप अहलावत नजर आए।

आमने-सामने होंगे ओटीटी के सुपरस्टार

मनोज बाजपेयी और जयदीप अहलावत दोनों ही ओटीटी के धुरंधर हैं। सीरीज से लेकर ओटीटी फिल्मों तक, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दोनों की लोकप्रियता है। ऐसे में इस सीरीज में अब इन्हें एक फ्रेम में देखना दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। यह सीरीज इसी साल यानी 2025 में आएगी। हालांकि, अभी रिलीज डेट का एलान नहीं हुआ है। सीरीज का पहला सीजन 2019 में आया था। फिर दूसरा सीजन साल 2021 में आया। पिछले दोनों सीजन दर्शकों के बीच खूब लोकप्रिय रहे। इस बार कास्ट में जयदीप अहलावत के अलावा निमरत कौर की एंट्री भी हुई है। वे भी विलेन के रोल में हैं। यानी मनोज बाजपेयी का सामना दो दुश्मनों से होगा।

शानमुखा गौतम की फिल्म में लीड रोल निभाएंगे अभिषेक

अभिनेता अभिषेक बच्चन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म हाउसफुल 5 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके अभिनय को सराहा जा रहा है और यह बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक ठाक प्रदर्शन कर रही है। अब अभिषेक के फैंस के लिए एक और बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... अभिषेक ने संदीप रेड्डी वांगा के सहायक निर्देशक शानमुखा गौतम की अगली फिल्म साइन कर ली है। वे एक एक्शन थ्रिलर फिल्म से बतौर निर्देशक डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में अभिषेक एक कसाई की भूमिका निभाएंगे जो उनके करियर का एक नया और दमदार रूप हो सकता है। फिलहाल फिल्म की कास्टिंग पर काम चल रहा है। इसका निर्माण पिपल्स मीडिया फैक्ट्री कर रही है।

एक्टिंग करियर के सबसे सुनहरे दौर से गुजर रहीं नीना गुप्ता, टर्निंग पॉइंट साबित हुई बधाई हो

बॉलिवुड की दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता अपने करियर के उस दौर में हैं, जहां उनकी लोकप्रियता दिन दुनी और रात चौगुनी तरक्की पर है। एक्टिंग करियर के सबसे सुनहरे दौर से गुजर रहीं नीना गुप्ता के लिए बधाई हो टर्निंग पॉइंट साबित हुई। सिनेमा में बोल्ड रहीं नीना अब बिंदास हैं। उनके किरदारों के साथ-साथ फैशन सेन्स की भी खूब तारीफ होती है। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज पंचायत 4 से, जिसने उनकी लोकप्रियता में इजाफा किया है।

फिल्में हों या वेब सीरीज आपने मजबूत महिलाओं वाली भूमिकाएं की हैं, मगर असल जिंदगी में अपने खुद को सबसे ज्यादा एम्पावर कब फील किया?

सच कहूं, तो मेरे पास जब भी अच्छे पैसे होते हैं, मैं खुद को एम्पावर फील करती हूं, क्योंकि पैसों की बहुत जरूरत होती है और जब भी वो नहीं होते, तो बहुत तकलीफ होती है। सालों-साल मेरी जिंदगी में ऐसा दौर रहा जब मेरे पास पैसे नहीं थे। हमारी फील्ड ही ऐसी है कि कई बार आपके पास दो साल तक लगातार काम होता है और फिर आपके पास काम नहीं होता। मेरे साथ तो ऐसा हुआ कि पांच साल तक मेरे पास काम नहीं था और फिर जब मेरे टैक्स रिटर्न भरने आए, तो वो लोग हैरान रह गए, क्योंकि मेरे पास तो कोई कमाई थी ही नहीं। उनको लगा कि मैं झूठ बोल रही हूं। उनको ये समझ में नहीं आता कि हमारा काम कैसा है? हमारी फील्ड ही ऐसी है कि आज यहां, तो कल वहां। बहुत ही ब्रूटल फील्ड है। मैं तो इतने टॉप पर नहीं पहुंची हूं, मगर जब टॉप वालों के पास नहीं होता न, वो तो समझो बहुत कष्टकारी होता है, क्योंकि आपको एक खास तरह की जीवन शैली की आदत पड़ जाती है और पैसे न हों, तो गुजारा नहीं हो पाता।

आप 66 साल की उम्र में भी तरह-तरह के फैशनेबल कपड़े पहनकर फैशन के गोल सेट करती हैं, चर्चा में रहती हैं।

देखिए, कई बार लोग स्क्रीन प्रेजेंस और असल जिंदगी की ड्रेसिंग को मिक्स कर देते हैं। अब जैसे पंचायत में मैं गांव की महिलाओं की तरह साड़ी पहनती हूं, मगर वो मेरा किरदार है। जो मैं बाहर पहनती हूं, वो नीना गुप्ता है। मुझे फैशन का बहुत जबरदस्त शौक है। मेरे पास पैसे नहीं होते थे, मैं फैशन और कपड़ों के मामले में तब भी जुगाड़ और तोड़-जोड़ में लगी रहती थी। अब पैसे हैं, तो एक्सपेरिमेंट करती हूं, अच्छे कपड़े खरीद लेती हूं। मसाबा (उनकी बेटी) से भी मदद ले लेती हूं फैशन के मामले में। वैसे ये भी कहना चाहूंगी कि मैं अगर फैशनेबल कपड़े पहनती हूं, तो संस्कृत में एमफिल भी हूं, तो आप किसी के कपड़ों से उसे जज नहीं कर सकते।

आज इंटरनेट के जमाने में सोशल मीडिया पर आपको काफी कम ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है, तो वो टिप्स आपको कौन देता है?

टिप्स कौन देगा मुझे? मैं तो सोशल मीडिया पर सच ही लिखती हूं या जो मैं नीना गुप्ता हूं, वही दिखती हूं, तो मुझे कोई क्या ही ट्रोल कर लेगा? यही ट्रोल करेंगे कि सेक्सी कपड़े पहने हैं। पर वो तो बहुत अच्छी बात है न, हां, जब कभी -कभार मैं सोशल मीडिया पर कुछ गलत टैग कर दूं या फिर मीडिया पर कुछ गलत लिख दूं अथवा गलत समय पर कुछ पोस्ट कर दूं, तो मेरी बेटी मसाबा का फोन आता है कि आप ऐसा कैसे पोस्ट कर सकती हैं? मैं उसकी बात पर तवज्जो देती हूं, क्योंकि मैं मानती हूं कि उसे सोशल मीडिया के बारे में मुझसे ज्यादा जानकारी है।

आपकी सीरीज गांव-खेड़ों की राजनीति पर आधारित है, आप कभी पॉलिटिक्स में जाना चाहेंगी?

नहीं मैं पॉलिटिक्स में जाने का बिल्कुल नहीं सोचती, क्योंकि मैं बहुत मुंहफट हूं और मुंहफट होना पॉलिटिक्स में नहीं चलता। वहां पर मैनिपुलेशन वाली चीजें चलती हैं, जो मुझे नहीं आतीं। वो बहुत गंदा गेम है। फिर मैं ऐसे क्षेत्र में क्यों जाऊं, जिसके बारे में मुझे कोई जानकारी ही न हो।

पंचायत में सीजन दर सीजन आपका किरदार महिला के रूप में मजबूत होता गया?

पंचायत सीजन 1 से लेकर सीजन 4 तक मेरा किरदार काफी इवॉल्व हुआ है। जैसे असल जीवन में धीरे-धीरे होता है। मेरा ही चरित्र क्यों अन्य महिला किरदार भी काफी मजबूत हुए हैं। खुशबू, क्रांति और रिंकी के रोल भी काफी स्ट्रॉन्ग हुए हैं और ये सब बहुत ही ऑर्गेनिक तरीके से किया गया है। ये नहीं कि किसी एक दिन सुबह उठकर मेरे किरदार को अचानक से बदल दिया गया। इसके लेखक चंदन कुमार काफी सुलझे हुए राइटर हैं। उन्होंने किरदारों को बहुत ही संतुलित ढंग से लिखा है। मुझे पंचायत की जो सबसे कमाल की बात लगती है कि मैं किसी छोटे कस्बे में चली जाऊं या किसी बड़ी पार्टी में, मेरे मंजू देवी के किरदार को सभी पहचानते हैं और मुझे ये पहचान अच्छी लगती है। मैं अपने करियर में कई बुरे फेजों से गुजरी हूं, मगर बधाई हो मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ और उसके बाद मैं लगातार तरह-तरह की भूमिकाएं करती जा रही हूं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक ललित कुमार शर्मा द्वारा मैसर्स कुमार आफसैट प्रिन्टर्स, 567, तुराब नगर, गाजियाबाद से मुद्रित कराकर, ए- 574, सैक्टर-9, न्यु विजय नगर, गाजियाबाद (यू0 पी0) 201009 से प्रकाशित किया। किसी भी वाद विवाद के लिए निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गाजियाबाद में होगा। संपादक 8802820025, e-mail:phmnews24@gmail.com